राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 14 मई 2025 वर्ष-8,अंक-84 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## ‘निर्दोषों का खून बहाने का अंजाम सिर्फ महाविनाश हैं’, आदमपुर एयरबेस में बोले पीएम मोदी

**आदमपुर/नई दिल्ली।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की कामयाबी के बाद मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचकर भारतीय वायुसेना के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि देश सशस्त्र बलों का आभारी रहेगा। भारत माता की जय घोष की ताकत दुनिया ने देखी है और निर्दोषों का खून बहाने का एक ही अंजाम महाविनाश है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, भारत माता की जयघोष’ की ताकत अभी-अभी दुनिया ने देखी है। भारत माता की जय, ये सिर्फ उद्घोष नहीं है। ये देश के हर उस सैनिक की शपथ है, जो मां भारती की मान-मर्यादा के लिए जान की बाजी लगा देता है। ये देश के हर उस नागरिक की आवाज है, जो देश के लिए जीना चाहता है, कुछ कर गुजरना चाहता है। भारत माता की जय, मैदान में भी गूंजती है और मिशन में भी। उन्होंने कहा, मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि आप सभी ने अपने लक्ष्य को पूर्णता के साथ हासिल किया। पाकिस्तान में न केवल आतंकवादी शिविर और उनके हवाई अड्डे नष्ट किए गए, बल्कि उनके नापाक मंसूबों और दुस्साहस को भी परास्त किया गया। पीएम मोदी ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ का जिक्र करते हुए कहा, जब भारत के सैनिक मां भारती की जय बोलते हैं, तो दुश्मन के कलेजे कांप जाते हैं। जब हमारे ड्रोन दुश्मन के किले की दीवारों को ढहा देते हैं, जब हमारी मिसाइलें सनसनाती हुई निशाने पर पहुंचती हैं, तो दुश्मन को सुनाई देता है, भारत माता की जय। ऑपरेशन सिंदूर से घबराकर दुश्मन ने आदमपुर समेत हमारे कई अन्य एयर बेस पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने हमें बार-बार निशाना बनाया, लेकिन पाकिस्तान के नापाक मंसूबे हर बार नाकाम हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने वायुसेना के शौर्य को सलाम किया। उन्होंने कहा कि आप सभी ने करोड़ों भारतीयों को गौरवान्वित किया है। आपने इतिहास रचा है और मैं आपसे मिलने के लिए आज सुबह आपके बीच आया हूं। पीएम मोदी ने पाकिस्तान को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जब हमारी फौजें न्यूक्लियर ब्लैकमेल की धमकी की हवा निकाल देती हैं, तो आकाश से पाताल तक एक ही बात गूंजती है, भारत माता की जय। आप सभी ने वाकई कोटि-कोटि भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया है। हर भारतीय का माथा गर्व से ऊंचा कर दिया है। आपने इतिहास रच दिया है। पीएम ने कहा, जब वीरों के पैर धरती पर पड़ते हैं, तो धरती धन्य हो जाती है। जब वीरों के दर्शन का अवसर मिलता है, तो जीवन धन्य हो जाता है। इसलिए मैं आज सुबह-सुबह ही आपके दर्शन करने के लिए यहां पहुंचा हूं। आज से अनेक दशक बाद भी जब भारत के इस पराक्रम की चर्चा होगी, तो उसके सबसे प्रमुख अध्याय आप और आपके साथी होंगे। आप सभी वर्तमान के साथ ही देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए भी नई प्रेरणा बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जवानों की तारीफ करते हुए कहा, दशकों बाद भी जब भारत के साहस को याद किया जाएगा, तो आपका अध्याय सबसे अधिक मनाया जाएगा। आप आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। मैं वायुसेना, नौसेना, सेना और बीएसएफ के बहादुर जवानों को सलाम करता हूं।आपकी बेमिसाल वीरता के कारण ही ऑपरेशन सिंदूर की गूंज आज हर जगह सुनाई देती है।

## पहला कॉलम

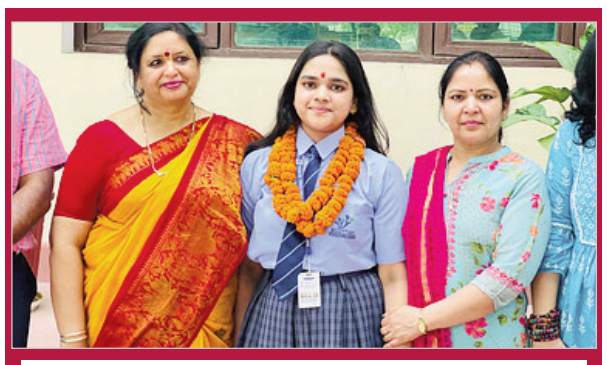

### सावी जैन ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में देशभर में किया टॉप, 500 में से 499 अंक प्राप्त किए

**शामली।**

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है और इस बार उत्तर प्रदेश के शामली जिले ने देशभर में नाम रोशन किया है। शामली की सावी जैन ने 500 में से 499 अंक हासिल कर ऑल इंडिया टॉपर का खिताब अपने नाम किया है। सावी शामली के मोहल्ला शिव चौक की निवासी हैं और स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा हैं। उनके पिता अंकित जैन स्थानीय स्तर पर फर्नीचर शोरूम संचालित करते हैं, जबकि उनकी माता कविता जैन गृहिणी हैं। अपनी इस सफलता पर सावी ने कहा कि मेरी इस उपलब्धि के पीछे मेरे माता-पिता और शिक्षकों का बड़ा योगदान है। जब भी किसी विषय में उलझन होती थी, वे मेरा मार्गदर्शन करते और मेरा मनोबल बनाए रखते थे। सावी पढ़ाई के साथ संतुलन बनाए रखते हुए हर विषय को गहराई से समझने में विश्वास रखती हैं। उन्होंने बताया कि वे रोज़ पढ़ाई का एक निश्चित समय तय करती थीं और कठिन विषयों पर अतिरिक्त मेहनत करती थीं। सावी जैन का लक्ष्य सिर्फ अच्छे अंक लाना नहीं है। उनका सपना है कि वे आगे चलकर सिविल सर्विस में जाएं और देश की सेवा करें। सावी जैन का कहना है कि मैं प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हूं ताकि जमीन से जुड़कर समाज के लिए काम कर सकूं। गौरतलब है कि सावी जैन ने 500 में से 499 अंक प्राप्त किए हैं। वह देशभर में सीबीएसई 12वीं की ऑल इंडिया टॉपर बनीं हैं। वह स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल, शामली की छात्रा हैं। परिवार, स्कूल और शहर में इस उपलब्धि को लेकर खुशी की लहर है। इस बार 10वीं में स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल के छात्र धैर्य गर्ग 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉपर बने। 12वीं में स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा सावी जैन ने कला वर्ग में 99.8 प्रतिशत अंक पाकर जनपद टॉपर बनने के साथ ही ऑल इंडिया स्तर पर रैंक एक पर रहकर जनपद का नाम रोशन किया।

### भारत के हाथों हुई अपनी पिटाई को प्रतिवर्ष सेलिब्रेट करेगा पाकिस्तान, शाहबाज ने किया ऐलान

**नई दिल्ली।**

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक की थीं। इसके बाद पाकिस्तान ने आतंकी हमले रोकने की बात न करके उलटे भारत पर ही हमले शुरू किए थे। इस पर भारतीय सेना ने पाकिस्तान को कुछ घंटों में घुटनों पर ला दिया। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अगले ही दिन से सीजफायर की इशारों में बात करने लगे थे। आसिफ का कहना था कि यदि भारत आगे कुछ न करे, तब हम एक्शन नहीं लेने वाले है। अंत में पाकिस्तान के नरम पड़ने के बाद भारत ने भी सीजफायर को स्वीकार कर लिया। यह सीजफायर 10 मई को लागू हुआ था और मजे की बात ये हैं कि इस दिन को पाकिस्तान अब हर साल सेलिब्रेट करेगा। पाक का कहना है कि इस दिन को हम मरका-ए-हक के तौर पर प्रति वर्ष सेलिब्रेट करने वाले है। खुद पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने इसका ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल से 10 मई तक जो हुआ, वह पाकिस्तानी रक्षा इतिहास का शानदार अध्याय रहेगा। वैसे यह शानदार है या फिर शर्मनाक है, यह भी एक सवाल है। 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हमला किया था और उस तारीख को शरीफ अपने रक्षा इतिहास के शानदार अध्याय में शामिल कर रहे हैं। एक ओर पाकिस्तान दावा कर रहा हैं कि अच्छी टक्कर दी, वहीं आज स्वीकार कर लिया कि 11 सैनिकों सहित 51 लोग उसकी तरफ से मारे गए हैं। वहीं भारतीय सेना का कहना है कि 6-7 मई की रात को जो एयरस्ट्राइक की गई थी, उसी में करीब 100 आतंकियों को खत्म कर दिया गया था।

## पहले ट्रंप ने कश्मीर पर मध्यस्थता की कोशिश की थी, तब भारत ने 370 हटाकर दिया था मैसेज

**नई दिल्ली।**

पाकिस्तान अमेरिका की घोर बेइज्जती करने में कसर नहीं छोड़ता है। इधर भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ उधर महज 3 घंटे बाद पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन करते हुए गोलाबारी शुरु कर दी। जबकि ये सीजफायर अमेरिका के कहने पर ही हुआ था। भारत ने बात मान ली लेकिन अमेरिका को पाकिस्तान ने साफ संदेश दे दिया आप कौन? फिर भी अमेरिका दोनों देशों के बीच कश्मीर मसला हल कराने के लिए मध्यस्थता करने की बार बार गुहार लगा रहा है। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने कश्मीर पर मध्यस्थता की बात की हो। 22 जुलाई 2019 को ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता करने का अनुरोध किया था। उस वक्त ट्रंप के साथ पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान बैठे थे। हालांकि भारत ने ट्रंप के मध्यस्थता वाले दावे को तुरंत खारिज कर दिया और विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने संसद में स्पष्ट किया कि ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया गया। इसके दो ही हफ्तों बाद, 5 अगस्त 2019 को, भारत ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया। यह अनुच्छेद जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। 370 हटाने के साथ, जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू और कश्मीर, और लद्दाख) में विभाजित कर दिया गया। इस कार्रवाई को कई विश्लेषकों ने भारत के उस रुख के रूप में देखा, जिसमें वह कश्मीर को अपना आंतरिक मामला मानता है और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को अस्वीकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, दोनों देशों के बीच चार दिन तक चले सैन्य तनाव के बाद संघर्षविराम हुआ, जिसे ट्रंप ने अमेरिकी मध्यस्थता का परिणाम बताया। हालांकि, भारत कश्मीर पर इस तरह के प्रस्ताव को सिरे से खारिज करता रहा है और अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि कश्मीर पर कोई तीसरा पक्ष मध्यस्थता नहीं कर सकता। भारत ने इस मुद्दे पर केवल एक ही बिंदु पर बातचीत की संभावना जताई- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की वापसी और आतंकवादियों को सौंपने की मांग। 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए। इसने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को बढ़ा दिया। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया और ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के भीतर नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए। जवाब में, पाकिस्तान ने भारतीय शहरों पर ड्रोन हमले किए, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। चार दिन की इस तीव्र सैन्य कार्रवाई ने व्यापक युद्ध की आशंका को जन्म दिया, क्योंकि दोनों देश परमाणु हथियारों से लैस हैं। 10 मई, 2025 को दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान ने संघर्षविराम की घोषणा की।

### एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री 25 को पहुंच रहे दिल्ली, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को अगले सप्ताह ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी साझा की जाएगी। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, चुनावी राज्य बिहार सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री 25 मई को दिल्ली आ रहे है। सूत्रों के अनुसार ये नेता शनिवार को घोषित हमलों और उसके बाद संघर्ष विराम पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले है। सोमवार की शाम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद, सहयोगी दलों ने सरकार की कार्रवाई के समर्थन में एकजुटता दिखाई, जो पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पीएम मोदी के संबोधन ने भारत के नए सिद्धांत को आकार दिया है। उन्होंने पोस्ट में कहा कि उनका संबोधन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों के लिए एक सख्त चेतावनी और दुनिया के लिए ताकत का एक स्पष्ट संदेश था। आज बुद्ध पूर्णिमा है और हम शांति के मार्ग को याद करते हैं। लेकिन, जैसा कि इतिहास हमें सिखाता है, स्थायी शांति ताकत के माध्यम से सुरक्षित होती है। हम शांति के मार्ग पर चलते हैं, लेकिन हम आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का भी अभ्यास करते हैं।

## धोखेबाज पाकिस्तान कभी भी कर सकता है हमला, 7 शहरों की फ्लाइट कर दीं रद्द

**नई दिल्ली।**

भले ही भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ है लेकिन धोखेबाज पाकिस्तान कभी भी हमला कर सकता है। ऐसे में ऐहतिहात के तौर पर इंडिगो और एयर इंडिया ने 7 शहरों की फ्लाइट रद्द करने का फैसला लिया है। इनमें श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़ और तीन अनय शहर शामिल हैं। एयर इंडिया ने जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़, राजकोट का टू वे फ्लाट ऑपरेशन रद्द कर दिया है। ये हवाई अड्डे उन हवाई अड्डों में शामिल हैं जिन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर अस्थायी रूप से बंद करने के बाद सोमवार को नागरिक उड़ानों के लिए पुनः खोल दिया गया था। सूत्रों के अनुसार, सोमवार शाम को अमृतसर जाने वाला इंडिगो का एक विमान अमृतसर में एहतियाती ‘ब्लैकआउट’ उपाय लागू होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौट आया। वहीं इंडिगो ने जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट की फ्लाइट कैंसल की हैं। विमानन कंपनी ने सोमवार रात 11 बजकर 38 मिनट पर ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर और आपकी सुरक्षा को हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट से आने-जाने वाली उड़ानें 13 मई 2025 के लिए रद्द कर दी गई हैं। एयरलाइन ने यह भी कहा कि उसकी टीम सक्रियता से स्थिति पर नजर रख रही हैं।बता दें कि सोमवार को ही इन एयरपोर्ट्स पर आम लोगों के लिए सेवा शुरू की गई थी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सोमवार को ऐलान किया था कि अस्थायी रूप से बंद किए गए 32 एयरपोर्ट को फिर से खोला जा रहा है। अधमपुर, अंबाला, अवंतिपुरा, बठिंडा, बीकानेर, हिंडन, जैसलमेर, कांडला, कांगड़ा, केशोड, किणनगढ़, मुंद्रा, नालिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर एयरपोर्ट से आम यात्रियों के लिए ऑपरेशन शुरू करने का ऐलान कर दिया गया था।

### मोहम्मद यूनुस ने फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर उगला जहर

**नई दिल्ली।**

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर अपने जहरीले और खतरनाक मंसूबों को उजागर किया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्य स्वतंत्र देश जैसे है, इनके साथ क्षेत्रीय और एकीकृत आर्थिक विकास की रणनीति बनाई जा सकती है। यूनुस ने नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की उपाध्यक्ष इंदिरा राणा के साथ एक बैठक की थी। बैठक के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उनकी तरफ से कहा गया है कि बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एक एकीकृत आर्थिक रणनीति बनाई जानी चाहिए। बता दें कि कुछ महीने पहले ही यूनुस ने पूर्वोत्तर के इस क्षेत्र को भूमि से घिरा हुआ कहा था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र का अभिभावक कहा था। वहीं अब यूनुस ने बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात राज्यों के लिए एक एकीकृत आर्थिक योजना का आह्वान कर कहा कि इन देशों और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग रहने की अपेक्षा एक साथ रहने पर अधिक लाभ होगा।

### प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नए सिद्धांत को आकार दिया- नायडू

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को अपने भाषण में यह संदेश दिया कि भारत की सरकार आतंकवाद के खिलाफ कड़ी सख्ती से लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत की नीति आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस पर आधारित है। इसके साथ ही, उन्होंने पाकिस्तान को केवल पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) और आतंकवाद पर मुद्दा उठाने की बात कही। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री की इस कदर सराहना की कि उन्होंने भारत को नए सिद्धांतों की ओर बढ़ाया। वे भी मानते हैं कि शांति के लिए लड़ना ज़रूरी है, परंतु स्थायी शांति की गारंटी केवल ताकत में है। सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर में सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की। यहाँ भारत ने स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करके आतंकवादी संगठनों को झटका दिया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी प्रधानमंत्री की इस नीति की सराहना करते हुए यह कहा कि भारत की सेनाएं और नागरिकों का मनोबल बढ़ गया है। वे भी साझा करते हैं कि हर भारतीय का सुरक्षा में योगदान निवृत्त न होगा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। इस संदेश के माध्यम से, भारत ने अपनी कड़ी नीति का संकेत दिया है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में निष्ठावान रहने का संकल्प दिखाया है।

### टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद संत प्रेमानंद से मिले विराट-अनुष्का

**मथुरा।**

किंग कोहली के नाम से मशहूर क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी, बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा मंगलवार सुबह वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीराधे हित केली कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से भेंट की। इस दौरान दोनों ने संत महाराज से आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा में भाग लिया। इस भेंट के दौरान संत प्रेमानंद महाराज ने कहा कि हम अपने प्रभु का विधान बताते हैं। जब प्रभु किसी पर कृपा करते हैं, ये वैभव मिलना कृपा नहीं है। ये पुण्य है। ये वैभव बढ़ना, यश बढ़ना भगवान की कृपा नहीं मानी जाती है। भगवान की कृपा मानी जाती है अंदर का चिंतन बदलना। जिससे आपके अनंत जन्मों के संस्कार भष्म होकर, अगला जो होगा, वो उत्तम होगा। संत प्रेमानंद महाराज ने समझाया कि अंदर का चिंतन बन गया बह्यमुखी यानि बाहर। बाहर यश, कीर्ति, लाभ और विजय से सुख मिलता है। भगवान जब कृपा करते हैं, तो संत समागम देते हैं। दूसरी जब कृपा होती है, तो विपरीतिता देते हैं। फिर अंदर से एक रास्ता देते हैं कि ये मेरा रास्ता है। ये परम शांति का रास्ता है। भगवान वो रास्ता देते हैं और जीव को अपने पास बुला लेते हैं। संत प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि बिना प्रतिकूलता के संसार का राग नष्ट नहीं होता है। किसी को भी वैराग्य होता है, तो संसार की प्रतिकूलता देखकर होता है। सबकुछ हमारे अनुकूल है, तो हम आनंदित होकर उसका भोग करते हैं। जब हमारे अंदर प्रतिकूलता आती है, तब सोचते हैं कि इतना झूठा संसार है। तो अंदर से भगवान रास्ता देते हैं। कि ये सही है। भगवान बिना प्रतिकूलता के इस संसार को छुड़ाने का कोई अवसर नहीं देते हैं।

आज तक जितने महान संत हुए हैं और उनका जीवन बदला है, तो प्रतिकूलता का दर्शन कर बदला है। गौरतलब है कि विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी, जिसके बाद वह सपत्नीक सीधे आध्यात्मिक शांति की तलाश में वह वृंदावन पहुंचे।

## ओवैसी ने लिए शरीफ और मुनीर के मजे, क्या लीज पर लिए चीनी विमान उतार पाओंगे

**हैदराबाद।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार की सुबह पंजाब में आदमपुर वायु सेना केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने वायु सेना के जवानों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस पर पाकिस्तान के मजे लिए हैं। ओवैसी ने कहा कि क्या पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने लिखा, क्या शरीफ और मुनीर लीज पर लिए अपने चीनी विमान को रहीम यार खान एयरबेस पर उतार पाएंगे?

दरअसल, 10 मई को पाकिस्तान के रहीम यार खान एयरबेस पर भारत ने बुरी तरह तबाह हो गया। भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन में ब्रह्मोस-ए सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिसने एयरबेस के मुख्य रनवे को पूरी तरह नष्ट किया है। रहीम यार खान एयरबेस को शेख जायद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी कहा जाता है, जो कि पाकिस्तान वायुसेना का अहम सैन्य अड्डा रहा है। हमले में कई सैन्य सुविधाओं, इमारतों और उपकरणों को नुकसान पहुंचा। साथ ही स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ सहित कुछ सैन्यकर्मियों की मौत भी हो गई।

इस बीच, पाकिस्तान यह झूठा दावा करता रहा कि आदमपुर एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिसमें एयरबेस के रनवे, मिग-29 जेट, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और रडार को नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने दावा किया कि हमले में 60 भारतीय सैनिक मारे गए और एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि, ये दावे पूरी तरह झूठे साबित हुए। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने इन्हें खारिज करते हुए कहा कि आदमपुर एयरबेस पूरी तरह सुरक्षित है।

वहीं, पीएम मोदी ने आज आदमपुर एयरबेस का दौरा कर जवानों से मुलाकात की, जिसकी तस्वीरों और वीडियो ने पाकिस्तान के प्रचार की पोल खोल दी। सैटेलाइट तस्वीरों और विशेषज्ञों ने भी पुष्टि की कि एयरबेस को कोई नुकसान नहीं हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# फसलों की विविधता को कम करेगी बढ़ती गर्मी

**वैश्विक तापमान का असर सब जगह एक जैसा नहीं होगा। नया अध्ययन निम्न अक्षांश और मध्य से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (भूमध्य रेखा और ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच में गर्म और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र) के बीच एक स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। भूमध्य रेखा के नजदीकी देशों को जहां फसल की भारी क्षति और विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, वही ठंडी जलवायु वाले देश अपने समग्र उत्पादन स्तर को बनाए रख सकते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी अनुमान लगाया है कि मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र गर्म होती दुनिया में फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला की खेती करने में सक्षम हो सकते हैं।**

मुकुल व्यास

इन बदलती परिस्थितियों से दुनिया के मौजूदा खाद्य फसल उत्पादन का आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। चावल, मक्का, गेहूं, आलू और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों को उपयुक्त कृषि भूमि में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे उन लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं जो दैनिक पोषण के लिए इन फसलों पर निर्भर हैं।

ग्लोबल वार्मिंग दुनिया में फसलों की विविधता को कम कर सकती है। एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है, तो विशाल क्षेत्र फसल विविधता खो सकते हैं, जिससे विश्वव्यापी खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि उच्च तापमान के कारण वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग एक तिहाई हिस्सा खतरे में पड़ सकता है। फिनलैंड के आल्टो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नेचर फूड में प्रकाशित शोध में बताया कि तापमान,वर्षा पैटर्न और समग्र शुष्कता में परिवर्तन किस तरह दुनिया भर में 30 प्रमुख खाद्य फसलों के विकास को प्रभावित करेंगे। शोध के परिणाम बताते हैं कि निम्न अक्षांश क्षेत्र, खास कर उष्णकटिबंधीय देशों के बड़े हिस्से सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, इन क्षेत्रों में कृषि के लिए बहुत अधिक भूमि अनुपयुक्त होती जाएगी। साथ ही उगाई जा सकने वाली फसलों की विविधता में भी भारी गिरावट आएगी। अध्ययन का नेतृत्व करने वाली शोधकर्ता सारा हेइकोनेन ने कहा कि विविधता के नुकसान का मतलब है कि कुछ क्षेत्रों में खेती के लिए उपलब्ध खाद्य फसलों के दायरे में काफी कमी आ सकती है। इससे खाद्य सुरक्षा कम होगी और पर्याप्त कैलोरी और प्रोटीन प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाएगा। इन बदलती परिस्थितियों से दुनिया के मौजूदा खाद्य फसल उत्पादन का आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। चावल, मक्का, गेहूं, आलू और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों को उपयुक्त कृषि भूमि में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे उन लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं जो दैनिक पोषण के लिए इन फसलों पर निर्भर हैं। कई अन्य फसलें भी असुरक्षित हैं जिनमें अनाज और दालों के अलावा उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगने वाली जड़ वाली फसलें शामिल हैं। जिमीकंद जैसी जड़ वाली फसलें कम आय वाले क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में स्थित देश सबसे अधिक प्रभावित होंगे। यदि ग्लोबल वार्मिंग 3 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाती है तो इन देशों में वर्तमान उत्पादन का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा। वैश्विक तापमान का असर सब जगह एक जैसा नहीं होगा। नया अध्ययन निम्न अक्षांश और मध्य से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (भूमध्य रेखा और ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच में गर्म और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र) के बीच एक स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। भूमध्य रेखा के नजदीकी देशों को जहां फसल की भारी क्षति और विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, वही ठंडी जलवायु वाले देश अपने समग्र उत्पादन स्तर को बनाए रख सकते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी अनुमान लगाया है कि मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र गर्म होती दुनिया में फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला की खेती करने में सक्षम हो सकते हैं। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैटी कुम्मू का कहना है कि जलवायु में अनुकूल बदलाव अधिक पैदावार की गारंटी नहीं देता है। जलवायु परिवर्तन से कुछ स्थानों पर उत्पादन बढ़ सकता है लेकिन वार्मिंग नए कीट पैदा कर सकती है और चरम मौसम की घटनाएं ला सकती है। खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे देश, खास कर अफ्रीकी देश पहले से ही कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं क्योंकि बढ़ते तापमान अन्य सामाजिक और आर्थिक दबावों के साथ मेल खाते हैं। कई कम अक्षांश वाले क्षेत्रों में, खास तौर पर अफ्रीका में, दुनिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में पैदावार कम है। ये देश उर्वरकों और सिंचाई तक अपनी पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन और भंडारण श्रृंखला के माध्यम से खाद्य नुकसान को कम करके वे

अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि वैश्विक गर्मी इन अनुमानों में बहुत अधिक अनिश्चितता जोड़ेगी और संभवतः और भी अधिक कार्रवाई की आवश्यकता होगी, जैसे कि अनुरूप फसल का चयन करना और प्रजनन के नए तरीके अपनाना। मॉडल के जरिए अध्ययन और विश्लेषण करना आसान लगता है लेकिन यह समझना सबसे कठिन है कि बदलाव कैसे किए जाएं। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कम अक्षांश वाले देशों में नीति-निर्माताओं को कृषि के इंफ्रास्ट्रक्चर में अंतर को पाटने के तरीकों की तलाश करनी चाहिए। साथ ही अधिक प्रतिकूल बढ़ती परिस्थितियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। ऐसे प्रयासों के बिना स्थानीय समुदायों को, जो पहले से ही खाद्य कमी के खतरे में हैं, आने वाले वर्षों में और भी अधिक संघर्ष करना पड़ेगा। दुनिया की खाद्य फसलों को सुरक्षित करना मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्रों के लिए किसानों और नीति निर्धारकों को लचीला बने रहना होगा। गर्मी नई फसलों के लिए द्वार खोल सकती है, लेकिन वैश्विक मांग और बाजार की ताकतों में बदलाव लोगों द्वारा खेती के लिए चुने जाने वाले तरीकों को और भी बदल सकते हैं। नई स्थितियों से निपटने के लिए किसानों द्वारा जो तरीके अपनाए जा सकते हैं, उनमें विभिन्न फसल किस्मों के साथ प्रयोग करना, रोपण के मौसमों को समायोजित करना तथा गर्म मौसम और कीटों से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर हम भविष्य में अपनी खाद्य प्रणाली को सुरक्षित करना चाहते हैं, तो हमें जलवायु परिवर्तन को कम करना पड़ेगा और इसके प्रभावों के अनुकूल होना पड़ेगा। भले ही सबसे बड़े परिवर्तन भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में हों, हम सभी वैश्विक खाद्य प्रणाली के माध्यम से इन प्रभावों को महसूस करेंगे। अतः हमें इन समस्याओं को दूर करने के लिए मिलकर काम करना पड़ेगा। इस अंतर्संबंध का मतलब है कि दुनिया के एक हिस्से में जलवायु द्वारा संचालित फसल विफलताओं का असर समस्त सप्लाई चेन पर पड़ेगा, जिससे हर जगह खाद्य कीमतों और उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि जलवायु परिवर्तन को कम करना आवश्यक है, लेकिन एक गर्म और अधिक अप्रत्याशित ग्रह पर उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए बेहतर योजना बनाना भी उतना ही जरूरी है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

संपादकीय

## पाक को दो टूक

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद देशवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े शब्दों में पाक को चेताया है। उन्होंने सेना के सभी अंगों और सुरक्षा बलों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि फिलहाल युद्ध स्थगित हुआ, खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने साफ किया कि वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया ने देखा कि भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। यह भी कि दो-तीन दशकों में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि टॉक और टेरर व ट्रेड और टेरर साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्होंने आतंक की पोषक पाक सरकार को खुले शब्दों में चेताया कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उनका इशारा सिंधु समझौते को स्थगित करने की तरफ था। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि अब न्यू नॉर्मल है कि भारत ने आतंक की लड़ाई के खिलाफ नई लकीर खींच दी है। आतंक का अपनी शर्तों पर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, न्यूक्लियर भयादोहन सहन नहीं होगा तथा आतंकवादियों तथा आतंक को पोसने वाली सरकार को अलग-अलग करके नहीं देखा जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को बता दिया है कि आतंकवाद को संरक्षण देने में पाक सरकार की सक्रिय भूमिका है। एक बार फिर पाक पोषित आतंकवाद दुनिया के सामने उजागर हुआ है। साथ ही कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज की समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। उन्होंने सेना के पराक्रम और भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें 21वीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं।

## ऊर्जा संरक्षण में तकनीकी अहम भूमिका

(लेखक - मुकेश तिवारी)

20 साल पहले तक जन सामान्य द्वारा 100 वाट के विद्युत बल्ब इस्तेमाल में लाए जाते थे, लेकिन वर्तमान समय में बल्ब के स्थान पर 2- 4-5 और 10 वाट की सीएफएल को इस्तेमाल में लिया जा रहा है क्योंकि 2-4-5और 10वाट की सीएफएल विधुत बचत के साथ बल्कि बल्बों से ज्यादा पर्याप्त मात्रा में रोशनी देती हैं। फ्रिज, कूलर, हो या वाशिंग मशीन या अन्य कोई भी जनसामान्य के उपयोग में लाया जाने वाला उपकरण सबको प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ऊर्जा कुशल बनाया जा रहा है। आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत इस्तेमाल का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है। रेलवे ,ऑटोमोबाइल्स, उड्डयन इत्यादि में भी तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिक के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम इन दिनों युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जैसे आजकल ग्रीन स्विच , स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटनिंग तकनीको का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। ग्रीन स्विच जहां सामान्य स्विचों से काफी कम ऊर्जा से संचालित होते हैं ,वही जल्दी गर्म भी नहीं होते ।स्मार्ट एचवीएसी घरेलू आवास अथवा कार्यालय के रिक्त भाग में विद्युत खपत को सीमित करते हैं, और विद्युत का अनावश्यक उपयोग पर रोकते हैं। स्मार्ट लाइटनिंग गति संवेदको की मदद से ऊर्जा की खपत को काफी हद तक काम कर देते हैं। वर्तमान समय में तकनीकी उन्नति के प्रयास अपनी चरम सीमा पर हैं, और इसमें दिन प्रतिदिन इजाफा भी होता जा रहा है ।आज तकनीकी का इस्तेमाल व्यक्तिगत, व्यावसायिक, प्रशासन और राजकीय सभी कार्यों में बिना किसी हिचकिचाहट के किया जा रहा है ।बड़े कारोबारी संस्थानो लेकिन आप करमें आधुनिक तकनीक का उपयोग स्वचालन के लिये हो रहा हैं , वहीं शासकीय संस्थानों आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। लेकिन तकनीकी के प्रयोग से यहां जनजीवन ,व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है।

बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है। दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है ।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है ।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक और प्रौद्योगिकी में ऊर्जा का अधिकार अधिक उपयोग होता है लेकिन ऊर्जा संरक्षण में भी अब तकनीक का प्रत्यक्ष इस्तेमाल होने लगा है परिणाम स्वरुप अब ऊर्जा कुशल विसर्जन को अहमियत दी जा रही है ।20 साल पहले आमतौर पर 100 वाट के बल्ब उपयोग में ले जाते थे लेकिन अब उनके स्थान पर 2-4-5और 10 वाट की सीएफए का उपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है,, क्यों कि सीएफएल से पर्याप्त प्रकाश तो मिलता ही है और साथ ही बिजली की भी बचत होती है। कूलर ,फ्रिज हो अथवा वाशिग मशीन या फिर अन्य कोई घरेलू विद्युत उपकरण सबको प्रौद्योगिकी के उपयोग से उर्जा कुशल बनाया जा रहा है। तकनीक के उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत उपयोग का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है ।ऑटोमोबाइल्स, रेलवे, उड्डयन आदि में भी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम भी युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जैसे आजकल ग्रीन स्विच, स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटनिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है ।ग्रीन से काफी कम ऊर्जा को संचालित होते हैं वहीं जल्दी कम भी नहीं होती स्मार्ट हब एक घर या कार्यालय के रिक्त हिस्से में विद्युत खपत को सीमित करते हैं और विद्युत का अनावश्यक उपयोग रोकते हैं। स्मार्ट लाइटनिंग गति संवेदकों की मदद से ऊर्जा की खपत को काफी कम कर देती है, यह भी सुनिश्चित करती है कि आवश्यक क्षेत्रों को हमेशा प्रकाशित रखा जा सके।

तकनीकी के सहयोग से बायोगैस, बायोमास,ज्वारीय ऊर्जा,पवन ऊर्जा, दीप्तिमान ऊर्जा,भूतापीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा,जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा, जैसे अक्षय ऊर्जा के स्त्रोतों को तलाशा और उपयोगी बनाया जा सकता है। अक्षय ऊर्जा के स्त्रोत शने -शने प्रचलित हो रहे हैं क्योंकि अक्षय ऊर्जा बनाने के लिए किसी भी संसाधन का हास नहीं होता। अक्षय ऊर्जा को नवी नवीनीकरण स्रोत भी कहा जाता है क्योंकि यह प्रकृति में निरंतर उत्पन्न हो सकती है। तकनीक से अक्षय ऊर्जा के बड़े स्रोतों को तलाश ने, पड़ताल करने से लेकर मानव उपयोग के लिए अनुकूल बनाने तक में हर स्तर पर काफी सहयोग मिलता है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से ऊर्जा संसाधनों के लिए उपयोग किए जाने वाले विश्व भर के प्रमुख बिजली संयंत्र में परमाणु ऊर्जा का दोहन और भंडारण किया गया है ।यहां तक की फुकुशिमा के परमाणु संयंत्र और चनोबिल संयंत्र जैसे रेडियोधर्मी रिसाब जोखिम वाले संस्थानों को भी तकनीकी की माध्यम से संचालित और नियंत्रित किया जा रहा है।

**विधुत संरक्षण में बैटरियों का उपयोग**

इन दिनों प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्युत संरक्षण के लिए बैटरियों का उपयोग किया जा रहा है ,जो ऊर्जा का भंडारण करती हैं तथा मोटर और मशीन को चलाने के लिए प्रयोग में लाई जाती है। पवन टरबाइन, पनबिजली इत्यादि संयंत्रो का बेहतर संचालन तकनीकी के कारण ही संभव हो सका है। ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग अनेक संगठन परिवहन और यात्रा के संबंध में अवांछित गतिविधियों को ट्रैक कर यातायात को नियंत्रित करने में कर रहे है यातायात को नियंत्रित कर प्रत्यक्ष तौर पर अत्यधिक ऊर्जा का संरक्षण किया जा सकता है। ड्रोन और मॉनिटर का उपयोग भी इन दिनों बढ़ रहा है ।जिससे उपभोक्ताओं तक आवश्यक वस्तुओं का परिवहन और वितरण आसान होता जा रहा है, इससे ऊर्जा की खपत में कमी भी हुई है ।ऊर्जा के उपयोग की पड़ताल और निगरानी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से मानवीय और प्रचालनगत त्रुटियों को समाप्त किया जा सकता है।

(चिंतन- मनन)

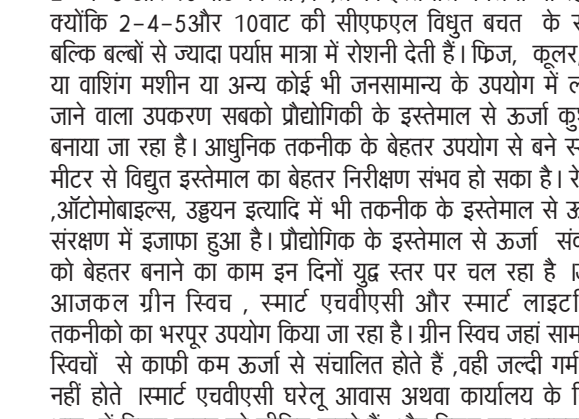


## संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे।

उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

विचार मंथन

## अमेरिका-चीन में ट्रेड सीजफायर, 90 दिन की अस्थाई राहत

(लेखक- सनत जैन )

अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर रखा था। अमेरिका और चीन के बीच 90 दिनों के लिए टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच ट्रेड मे सीज फायर हो गया है। दोनों देशों के बीच यह समझौता राहत देने का फैसला है। जिसका सारी दुनिया स्वागत कर रही है। इस सीजफायर से दुनिया भर के शेयर बाजारों में सकारात्मक संकेत मिल गया है। निवेशकों में भी उम्मीद की एक किरण जागी है। वैश्विक आर्थिक मंदी के इस दौर में दोनों देशों के बीच जो समझौता हुआ है उससे दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। अमेरिका की ओर से 145प्रतिशत से टेरिफ़ घटाकर 30फीसदी और चीन की ओर से 125फीसदी से घटाकर 10फीसदी टैरिफ करना इस बात का संकेत है। दोनों पक्ष समाधान की दिशा की ओर बढ़ने के लिए गंभीर हैं। इस समझौते के बाद अमेरिकी किसानों को राहत मिलेगी। चीनी उत्पादों की अमेरिका में पुनः निर्यात संभव हो सकेगा। अमेरिका के आम नागरिकों को भी महंगाई से राहत मिलेगी। यह व्यापार युद्ध केवल दो देशों तक सीमित नही था। दोनों देशों की इस लड़ाई का दुनिया के अधिकांश देशों की आर्थिक गति को प्रभावित कर रहा था। कच्चे तेल से लेकर स्टॉक बाजार तक इसका असर पड़ा था। ऐसे में यह सीजफायर दोनों देशों के साथ-साथ अन्य देशों के लिए भी एक अवसर है। इससे जो बदलाव होगा उससे दोनों देशों के बीच टिकाऊ समाधान का रास्ता भी निकाल सकता है।

यह अस्थायी विराम है। दोनों देश यदि रचनात्मक वार्ता के माध्यम से आगे नहीं बढ़ेंगे, तो समस्या फिर से गहरा सकती है। आवश्यक है, अमेरिका और चीन व्यापारिक टकराव की बजाय सहयोग का रास्ता अपनाएं। जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित हो सके। चीन से कच्चा माल और पार्ट्स इत्यादि नहीं मिलने के कारण अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आ चुकी है। अमेरिका में महंगाई बढ़ती जा रही है। लोगों को जरूरी सामान नहीं मिल रहा है। ट्रंप की लोकप्रियता अमेरिका और यूरोप के देशों में तेजी के साथ घटी है। वहीं दूसरी तरफ चीन में बेरोजगारी बढ़ती चली जा रही है। चीन का उत्पादन टैरिफ वार के चलते काफी कम हो गया है। जिसके कारण चीन की अर्थव्यवस्था मे गिरावट बनी हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो टेरिफ़ वार शुरू किया गया था। इसका असर यूरोप सहित दुनिया के कई देशों में पड़ा है। अमेरिका के रूख में बदलाव आने के बाद यह आशा की जा सकती है, आर्थिक मंदी के इस दौर में चीन और अमेरिका के बीच में टैरिफ को लेकर जो समझौता हुआ है, उसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

दुनिया के सभी देशों को आर्थिक मंदी और वैश्विक अर्थव्यवस्था को संभालने का अवसर मिलेगा। अमेरिका और चीन के बीच में जो समझौता हुआ है। इसका फायदा करोड़ों

लोगों को मिलेगा। इसलिए यह फैसला स्वागत योग्य है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## रुपया बढ़त पर बंद

**मुंबई।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ ही 85.30 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 74 पैसे मजबूत होकर 84.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय परिसंपत्तियों में विदेशी निवेशकों की निरंतर रुचि ने स्थानीय मुद्रा को मौलिक समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.70 प्रति डॉलर पर खुला और फिर डॉलर के मुकाबले 84.74 पर लुढ़क गया। हालांकि, यह फिर वापसी करता हुआ 84.62 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 74 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.36 पर बंद हुआ था। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 20 फीसदी की गिरावट के साथ 101.58 पर रहा।

## कोलकाता में पेट्रोल 40 पैसे और डीजल 20 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ

**कोलकाता।** तेल विपणन कंपनियों के ईंधन की मूल कीमत में पुनर्समायोजन के बाद कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली वृद्धि देखी गई। इस संशोधन से 12 मई से शहर में पेट्रोल की कीमत 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.02 रुपये प्रति लीटर हो गई है। प्रमुख तेल विपणन कंपनी के अधिकारी ने कहा` कि पेट्रोल की कीमत में 40 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है, जबकि डीजल 20 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। हालांकि, इसके विपरीत पटना में डीजल की कीमत में 60 पैसे प्रति लीटर की गिरावट देखी गई जबकि अन्य पूर्वी राज्यों में ईंधन की कीमतें यथावत रहीं। मूल कीमत की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और विभिन्न परिचालन व तार्किक कारकों के आधार पर समायोजित की जाती है।

## रियल एस्टेट केंद्रित एसजीआरई फंड ने एनसीआर में 125 करोड़ का किया निवेश

**नई दिल्ली।** रियल एस्टेट केंद्रित वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) एसजीआरई फंड ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दो संकटग्रस्त आवासीय परियोजनाओं में 125 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एसजीआरई फंड के प्रमुख प्रवर्तक ने बताया कि फंड ने पहले ही दो परियोजनाओं में 125 करोड़ रुपये लगाए हैं और वो जल्द ही अन्य परियोजनाओं में भी निवेश करेंगे। एसजीआरई फंड एक योजना-आधारित फंड है, जिसने अपने खंड का विस्तार करने के लिए दूसरी योजना के लिए भी आवेदन किया है, जिसका कुल आकार 500 करोड़ रुपये तक है। उन्होंने बताया ` कि कोई भी रियल एस्टेट कंपनी हमारे एआईएफ से फंड के लिए आवेदन कर सकती है। हमारा विधि व तकनीकी दल व्यवहार्यता की जांच करता है और जांच की मानक प्रक्रिया के बाद, वे अंतिम मंजूरी के लिए स्थायी समिति को प्रस्ताव की सिफारिश करते हैं। ऐसी परियोजनाएं वित्त पोषण के लिए पात्र होंगी जिन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य है, जो भूमि स्वामित्व को लेकर स्पष्ट हैं और जिन्हें कोई कानूनी मुद्दा नहीं है।

## पावर मेक प्रोजेक्ट्स को मिला 982 करोड़ का ठेका

**नई दिल्ली।** तेलंगाना पावर जनरेशन कॉरपोरेशन ने पावर मेक प्रोजेक्ट्स को 971.98 करोड़ रुपये के ठेके हेतु चुना है। इस ठेके के अनुसार दामरचेरला, नलगोंडा जिले में यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन के साथ एक एकीकृत टाउनशिप निर्मित की जाएगी। ठेके के अंतर्गत, क्वार्टर, बहुमंजिला आवासीय क्वार्टर और डिजाइन और ढांचा द्वारा संबंधित कार्य भी शामिल होंगे। पावर मेक प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष ने घोषणा की कि इस निर्माण कार्य को 30 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा। यह सरकारी ठेका नहीं सिर्फ तेलंगाना क्षेत्र में जनरेशन क्षेत्र को मजबूत बनाएगा, बल्कि स्थानीय आवासियों को भी बेहतर आवास सुविधाएँ प्रदान करेगा। यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन के इस परियोजना में शामिल होने से, पावर मेक प्रोजेक्ट्स ने अपने प्रतिबद्धता को सुनिश्चित किया है कि स्थानीय समुदायों को भी इसका लाभ होगा।

# बढ़ती लागत से मुश्किल में फंसे रियल एस्टेट डेवलपर

### बाजार में मंदी के कारण डेवलपर ज्यादा कमाई नहीं कर पाएंगे

**नई दिल्ली।**

निर्माण की बढ़ती लागत से रियल एस्टेट डेवलपरों के लाभ पर दबाव पड़ने वाला है। घरों की कीमतें पहले से ही अधिक हैं और आवास की नरम मांग के कारण बढ़ती लागत को खरीदारों पर डालना मुश्किल हो गया है। एक अे धिकारी के अनुसार किसी औसत रियल एस्टेट परियोजना की लागत संरचना में निर्माण की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत जबकि भूमि लागत की 20 से 30 प्रतिशत और एबिटा मार्जिन की करीब 30 प्रतिशत रहती है। उनका मानना है कि बिक्री में मंदी और बढ़ती लागत की वजह से रियल एस्टेट कंपनियों के मूल्यांकन में कमी आई है। उन्होंने कहा बिक्री की कीमतें बढ़ रही हैं। सूचीबद्ध कंपनियों की प्रति वर्ग फुट औसत प्राप्ति बढ़ी है। लेकिन बाजार में मंदी के कारण डेवलपर ज्यादा कमाई नहीं कर पाएंगे। निर्माण लागत बढ़ रही है और इसका बैलेंस शीट पर असर पड़ेगा। भारत में निर्माण क्षेत्र को बढ़ती लागत, कुशल कर्मचारियों की सीमित उपलब्धता और बाजार की अनिश्चितताओं के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। लागत में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से सीमेंट और स्टील की कीमतों के साथ-साथ कुशल श्रम की लागत बढ़ने के कारण हुई है।हमने ज्यादातर सामग्रियों में 5 से 7 प्रतिशत की वृद्धि देखी है और श्रम सबसे महंगा घटक बनकर उभरा है। पिछले कुछ साल के दौरान निर्माण लागत की सामान्य संरचना काफी हद तक स्थिर रही है, जिसमें करीब 67 प्रतिशत भाग में निर्माण सामग्री (सीमेंट, धातु,

रेत, ईंट, लकड़ी वगैरह), 28 प्रतिशत भाग में श्रम और 5 प्रतिशत भाग में ईंधन लागत शामिल है। एनारॉक समूह के एक अे धिकारी ने कहा` कि निर्माण की बढ़ती लागत और बिक्री में सुस्ती की दोहरी चुनौतियां डेवलपरों के मुनाफे को प्रभावित कर रही हैं।

## हैप्पिएस्ट माइंड्स का मुनाफा 53 प्रतिशत घटकर 34 करोड़ हुआ

### पिछले वर्ष इसी तिमाही में मुनाफा 71.9 करोड़ रुपये रहा था

**नई दिल्ली।** हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज एक भारतीय आईटी कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में कम लाभ का सामना किया है। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 52.7 प्रतिशत घटकर 34 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले वर्ष इसी तिमाही में मुनाफा 71.9 करोड़ रुपये रहा था। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का राजस्व 30.5 प्रतिशत बढ़कर 544.5 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 417.2 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का मुनाफा 25.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 184.6 करोड़ रुपये रहा है, जबकि राजस्व 26.8 प्रतिशत बढ़कर 2,060.8 करोड़ रुपये हो गया है। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने मार्च में अपने संगठनात्मक ढांचे में कई बदलावों की घोषणा की है। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए डिविडेंड की सिफारिश की है। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज डिजिटल परिवर्तन, उत्पाद इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा प्रबंधन सेवाएं प्रदान करती है। इसके 13 देशों में 6,632 कर्मचारी हैं।

## वैश्विक स्तर पर मुक्त व्यापार संकट में है: विश्व व्यापार प्रमुख

**तोक्यो।** विश्व व्यापार संगठन की प्रमुख नगोजी ओकोंजो-इवेला ने मंगलवार को जापान के प्रधानमंत्री शिगारू इशिबा से मुलाकात की। इवेला ने कहा कि वैश्विक स्तर पर मुक्त व्यापार संकट में है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक ने इशिबा से कहा कि खुले बाजारों में अग्रणी होने के नाते उन्हें जापान से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने तेजी से बदलते शुल्क एवं अन्य नीतियों के साथ विश्व वाणिज्य को बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा` कि व्यापार वर्तमान में बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा है और यह काफी कठिन है। जापान के विदेश मंत्रालय ने उनके हवाले से कहा` कि हमें इस संकट का इस्तेमाल हमारे सामने मौजूद चुनौतियों को हल करने के अवसर के रूप में करना चाहिए और व्यापार में नए रुझानों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा` कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के अग्रणी के तौर पर जापान को विश्व व्यापार संगठन को बनाए रखने, मजबूत करने तथा बेहतर बनाने में मदद करनी चाहिए। यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए गए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बनने की सोमवार को घोषणा की थी। जापान उन देशों में से है जो अभी तक अमेरिकी प्रशासन के साथ मोटर वाहन, इस्पात तथा एल्युमीनियम सहित शुल्क में बढ़ोतरी पर कोई समझौता नहीं कर पाए हैं। जापानी अधिकारियों ने बताया कि ओकोंजो-इवेला बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को बनाए रखने और सुदृढ़ करने के लिए जापान तथा विश्व व्यापार संगठन के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए जापान की यात्रा पर हैं। ओकोंजो-इवेला का विदेश मंत्री ताकेशी इवाया, वित्त मंत्री कात्सुनोबु काटो और अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्री योजी मुटो से भी मिलने का कार्यक्रम है।

# शेयर बाजार में भारी गिरावट

### सेंसेक्स 1281, निफ्टी 346 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी के अलावा दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी होना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1281.68 अंकों 1.55 फीसदी की गिरावट के साथ ही 81,148.22 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 346.35 अंकों 1.39 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ ही 24,578.35 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए वहीं 25 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। इसी प्रकार निफ्टी के 50 में से में केवल 14 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। बाकी की 35 कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त गिरावट रही। एक कंपनी का शेयर बिना किसी गिरावट के बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल सनफार्मा ओर इंफोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा 0.99 फीसदी की बढ़त जबकि इंफोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.57 फीसदी की गिरावट रही।

बजार में आई इस गिरावट का कारण मुनाफासूली को बताया जा रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम के बाद सोमवार को भारतीय बाजार में भारी तेजी दर्ज की गई। वहीं इसी कारण मंगलवार को निवेशक मुनाफावसूली करते दिखे, जिसकी वजह से बाजार नीचे आ गया। अमेरिका और चीन द्वारा शुल्क कम करने और आर्थिक रूप से सहयोग करने से वैश्विक बाजार

बेहतर हुआ है पर इसका भारतीय बाजारों में एकदम से प्रभाव नहीं पड़ेगा। ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुले। सेंसेक्स 180 अंक गिरकर 82,249.60 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद 471.58 अंक की गिरावट लेकर 81,958.32 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 24,864.05 अंक पर खुला। सोमवार को यह 24,924.7 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। सुबह शुरुआत के बाद यह 121.75 अंक की गिरावट लेकर 24,802.95 पर कारोबार कर रहा था। इस बीच मेरिका-चीन व्यापार समझौते के बाद वॉल स्ट्रीट में तेजी आने के बाद मंगलवार को एशियाई बाजारों में तेजी आई।

जापान के निक्केई में 2.17 फीसदी की उछाल आई और टॉपिक्स में 1.77 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.13 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.71 फीसदी बढ़ा।

# चीन अमेरिका के व्यापार युद्ध से निपटने लैटिन अमेरिकी देशों से हाथ मिलाएगा

### चीन ने बीजिंग में एक कार्यक्रम में लैटिन अमेरिकी नेताओं के साथ एकजुट मोर्चा पेश किया

**ताइपे।**

अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न व्यापार युद्ध से निपटने के लिए चीन अन्य देशों के साथ अपने गठबंधन को मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। चीन ने मंगलवार को बीजिंग में आयोजित एक कार्यक्रम में लैटिन अमेरिकी नेताओं के साथ एकजुट मोर्चा पेश किया। चीन के नेताओं ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी और अन्य नीतियों से उत्पन्न अनिश्चितता एवं अस्थिरता की पृष्ठभूमि में खुद को एक विश्वसनीय व्यापार तथा वृद्धि भागीदार के रूप में पेश किया है। वहीं अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बनने की सोमवार को जानकारी दी थी।

अमेरिका के साथ तनाव कम करने के लिए कदम उठाने के साथ ही चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने यहां चीन-सीईएलएसी फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि चीन विशुद्ध राजनीतिक तथा गुटीय टकराव की बढ़ती हुई स्थिति तथा एकतरफावाद एवं संरक्षणवाद की बढ़ती लहर से निपटने के लिए लैटिन देशों के साथ हाथ मिलाने को तैयार है। इस फोरम की शुरुआत 2015 में की गई थी। उन्होंने कहा` कि शुल्क युद्धों या व्यापार युद्धों से किसी की जीत नहीं होती। चीन ने अमेरिकी शुल्कों को लेकर भी कई बार इसी तरह की बात कही है। फोरम में हिस्सा लेने वाले लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई अधिकारियों में ब्राजील, चिली और कोलंबिया के राष्ट्रपति शामिल हैं। शी ने चीन और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए राजनीतिक आदान-प्रदान, आर्थिक वृद्धि, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक आदान-प्रदान और वैश्विक सुरक्षा पर केंद्रित पांच कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने इस क्षेत्र से आयात को बढ़ावा देने और चीनी कंपनियों को वहां अपना निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का वादा किया।

## भारत ने अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा

### अमेरिका में उत्पादित स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर 7.6 अरब डॉलर का असर पड़ेगा

**नई दिल्ली।** भारत ने अमेरिकी शुल्क के जवाब में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों के तहत सोमवार को अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा। डब्ल्यूटीओ ने बयान में कहा कि इस से अमेरिका में उत्पादित स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर 7.6 अरब अमरीकी डॉलर का असर पड़ेगा। भारत द्वारा रियायतों के प्रस्तावित निलंबन के परिणामस्वरूप अमेरिका में उत्पादित उत्पादों से समान शुल्क वसूला जाएगा। अमेरिका ने पिछले साल मार्च में शुल्क लागू किया था, जिसे यह साल बढ़ा दिया गया था। मंगलवार, मेटल कंपनियों के शेयर फोकस में हैं। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और टाटा स्टील के शेयरों में आज उतार-चढ़ाव देखा गया। वेदांता और टाटा स्टील में मामूली तेजी देखी गई, जबकि सेल के शेयरों में गिरावट देखी गई। अमेरिका ने आठ मार्च, 2018 को कुछ स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर क्रमशः 25 प्रतिशत और 10 प्रतिशत मूल्यानुसार शुल्क लगाकर सुरक्षा उपाय लागू किए थे। यह 23 मार्च, 2018 को लागू हुआ था, जिसे जनवरी 2020 में बढ़ा दिया गया था। इस वर्ष 10 फरवरी को अमेरिका ने स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर सुरक्षा उपायों में फिर से संशोधन किया, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी हुआ और इसकी अवधि असीमित है। अमेरिका ने अब 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है।

## ऐपल के वाइस कमांड फीचर सीरी से जुड़े तो कंपनी देगी यूजर्स को हर्जाना

**नई दिल्ली।**

ऐपल के प्रोडक्ट अब भारत में खूब पसंद किए जा रहे हैं। कंपनी ने चीन से हटकर भारत को अपना ठिकाना बना लिया है और आईफोन, आईपैड, ऐपल वॉच की दीवानगी भारतीय में बढ़ती जा रही है। इस बीच ऐपल के ग्राहकों के लिए कंपनी ने कुछ खामियों के चलते अपने हर डिवाइस पर 1,700 रुपए का हर्जाना देने की बात कही है। कंपनी पर यह मुसीबत क्योंढ आई और यूजर कैसे इस पैसे को क्ले म कर सकते हैं। यह मामला ऐपल के वाइस कमांड फीचर सीरी से जुड़ा है। अगर आपने भी ऐपल के डिवाइस में सीरी का इस्ते्माल किया है तो आप भी कंपनी से क्लेकम ले सकते हैं। कंपनी ने एक लंबे मुकदमे के बाद स्वी कार किया कि अगर ग्राहक की अनुमति के बिना सीरी ने किसी यूजर की प्राइवेट बातचीत रिकॉर्ड की है तो ट्रांसपरेंसी कानून के तहत ऐपल इसके एवज में हर्जाना भरेगी। कंपनी को इस तरह के मामलों में कुल करीब 9.5 करोड़ डॉलर का हर्जाना भरना है। कंपनी ने कहा कि ऐपल के करीब सभी प्रोडक्टक में सीरी वाइस असिस्टें ट का इस्तेनमाल होता है, अगर किसी डिवाइस में गलती से यह ऑन हो गया है और यूजर्स की प्राइवेट बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया गया है तो इसके ऐवज में कंपनी उस यूजर को हर्जाने का भुगतान करेगी। यह समस्याप शुरू हुई थी साल 2019 से, जब कुछ यूजर्स ने ऐपल के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। कंपनी ने इस बात से इनकार किया कि उसने ग्राहकों की आवाज का इस्तेुमाल एड या अन्यय मार्केटिंग के लिए किया है, लेकिन बाद में उनकी आवाज रिकॉर्ड किए जाने को लेकर माफी मांगी और इसे बंद करने का भरोसा दिलाया। जिन यूजर्स ने 17 सितंबर, 2014 से 31 दिसंबर, 2024 तक ऐपल के डिवाइस में सीरी का इस्ते्माल किया है वह इस हर्जाने के लिए क्लेतम कर सकते हैं। कंपनी ने इस सेटलमेंट के लिए एक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जहां यूजर अपना क्ले म कर सकते हैं और कंपनी भुगतान के बाद इसकी जानकारी भी देगी। कंपनी का कहना है कि उसके डिवाइस आईफोन, आईपैड, ऐपल वॉच, होमपैड, मैक, ऐपल टीवी और आईफोन टच में से किसी में भी सीरी ने बिना ग्राहक की अनुमति के उनकी आवाज रिकॉर्ड

की है, तो यह क्लेसम किया जा सकता है। कंपनी के मुताबिक यूजर्स 5 डिवाइस तक क्लेतम कर सकते हैं और उन्हेंत हरेक डिवाइस के लिए 20 डॉलर यानी करीब 1700 रुपए मिलेंगे। क्ले म से पहले यह तय करना होगा कि आपके डिवाइस में सीरी गलती से ऑन हो गया था। इसके अलावा क्लेकम करने वालों का अमेरिकी नागरिक होना भी जरुरी है। इस क्लेहम के लिए आखिरी तारीख 2 जुलाई, 2025 तय की गई है। इसके बाद कंपनी इस पोर्टल को बंद कर देगी और क्लेखम पर विचार नहीं किया जाएगा।

# 22 मई को लांच होगी नई हॉनर 400 सीरीज

**नई दिल्ली।**

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी हॉनर ने अपनी नई हॉनर 400 सीरीज की लॉन्च डेट घोषित कर दी है।

कंपनी अब आगामी 22 मई ये नई सीरीज लांच करेगी । यह सीरीज मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में पेश की जाएगी। खासकर हॉनर 400 प्रो मॉडल अपनी कैमरा तकनीक के कारण चर्चा में है। कंपनी ने हाल ही में टीजर वीडियो जारी किया, जिसमें यह जानकारी मिली कि हॉनर 400 प्रो में 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी एआई कैमरा होगा। यह कैमरा पिछले हॉनर 300 सीरीज के 50 एमपी कैमरे से बड़ा अपग्रेड होगा, जो अब ज्यादा डिटेल और बेहतर फोटो क्वॉलिटी देगा। हॉनर 400 प्रो के कैमरा सेटअप में 200एमपी का मेन कैमरा, 50एमपी का टेलीफोटो लेंस और 12एमपी का अल्ट्रावाइड लेंस शामिल होगा। इसके अलावा, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 50एमपी का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है, जो खासतौर पर कंटेंट क्रिएटर्स और व्लॉगर्स के लिए फायदेमंद होगा। इसमें 5300 एमएएच की बैटरी 100वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

हॉनर 400 सीरीज में हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो दो मॉडल हो सकते हैं, जो फ्लैगशिप फीचर्स के साथ मिड-रेंज प्राइस में आएंगे। इस स्मार्टफोन में 6.7 इंच का 1.5के अमोलेड डिस्प्ले हो सकता है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 5000नीटस की पीक ब्राइटनेस के साथ आएगा। परफॉर्मेंस के लिए इसमें स्नेपड्रेगन 8जेन 3 प्रोसेसर का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे फोन का ऑपरेशन फास्ट और स्मूद रहेगा। फोन में 8जीबी रैम और 256जीबी/512जीबी स्टोरेज ऑप्शन हो सकते हैं।

## ब्लूस्मार्ट के ईवी वाहनों को खरीदने की तैयारी में एवरेस्ट फ्लीट

### कंपनी की ऋणदाताओं से चल रही बातचीत

**नई दिल्ली।**

भारत में कैब सेवा प्रदाता उबर के सबसे बड़े फ्लीट भागीदारों में से एक, एवरेस्ट फ्लीट ब्लूस्मार्ट की कारों को खरीदने के लिए अवसर के चर्चाओं में है। उबर ने इस तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदने की प्रक्रिया की शुरुआत की है, लेकिन अंतिम संख्या और कीमत का तय करना बाकी है। एवरेस्ट फ्लीट के मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि वे कुछ ऋणदाताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन सौदा अभी पूरा नहीं हुआ है। अधिकारियों की मानें तो एवरेस्ट फ्लीट के बेड़े में इस समय 20,500 कारें हैं और उनमें से 2,000 ईवी वाहन हैं। ऐसे इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने से यह सुनिश्चित होगा कि उबर ग्रीन सेवाएं बढ़ेगी। इसके अलावा, इवेरा कैब्स के दिल्ली में 500 ईवी वाहनों के शामिल होने की भी खबरें हैं। उबर द्वारा एवरेस्ट फ्लीट में निवेश करने की भी ख़बरें आ रही हैं। उबर ने सीरीज सी राउंड में 3 करोड़ डॉलर का निवेश किया और मई 2023 की शुरुआत में सीरीज बी राउंड में भी एक निवेश किया था। इसी बीच, उबर ग्रीन इनिशियटिव के तहत सतत तकनीकी और पर्यावरणीय खोज कर रहा है ताकि साफ़ और उचित वाहन सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। एवरेस्ट फ्लीट के संस्थापक ने कहा` कि हमने अभी तक करार नहीं किया है, लेकिन हम उबर के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहते हैं। यह समझा जा रहा है कि इस उचित फैसले के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण के प्रति सहयोगी रहेंगी।

# टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट 2025 जल्द होगी लॉन्च

**नई दिल्ली।**

टाटा मोटर्स अपनी धांसू हैचबैक अल्ट्रोज के फेसलिफ्टेड वर्जन को जल्द ही लॉन्च करेगी। कंपनी ने इसकी लॉन्च डेट 22 मई, 2025 तय की है।

टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट को टेस्टिंग के अंतिम दौर में देखा गया है। लेटेस्ट स्पाई शॉट्स में अल्ट्रोज फेसलिफ्ट को नए एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स और एलईडी टेललाइट्स के साथ देखा गया है, जो कार के लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। इसके अलावा, टाटा ने पहली बार अल्ट्रोज में कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स भी दिए हैं, जो इसे और भी मॉडर्न लुक देते हैं।

इसके अलावा, फ्लश डोर हैंडल्स को भी शामिल किया गया है, जो कार की डिजाइन को और स्मूद बनाते हैं। टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट के केबिन में भी कई बदलाव किए गए हैं। अब इसमें एक नया डैशबोर्ड मिलेगा, जबकि 10.2 इंच की फ्री-स्टैंडिंग इंफोटेनमेंट स्क्रीन को और बेहतर तरीके से रखा गया है।

पावरट्रेन की बात करें तो टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट में 1.2एल 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन और 1.5 एल टर्बो डीजल इंजन का ऑप्शन मिलेगा। यह डीजल इंजन अल्ट्रोज को भारत की एकमात्र डीजल हैचबैक बना देगा। ट्रांसमिशन के ऑप्शन में 5-स्पीड और 6-स्पीड मैन्युअल, साथ ही 6डीसीए ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिए जा सकते हैं। नई टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट के ये बदलाव इसे और भी आकर्षक और पावरफुल बनाने वाले हैं।इसके अलावा, एसी वेंट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और क्लाइमेट कंट्रोल पैनल को भी नया रूप दिया गया है। ऑटोमैटिक गियरबॉक्स वेरिएंट के लिए नया गियर सिलेक्टर भी उपलब्ध होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बुमराह को कप्तान बनाये : गावस्कर

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि चयन समिति को बुमराह से बात करनी चाहिए। कमेटी को उनसे पूछना चाहिए कि आप क्या कप्तान बनना चाहते हैं? वहीं अगर बुमराह तैयार हैं तो फिर उन्हें कप्तान बनाया जाना चाहिए। वह अभी टेस्ट टीम के उपकप्तान हैं। ऐसे में उन्हीं को कप्तानी मिलनी चाहिए। बुमराह ने अभी तक तीन टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की है पर उनके साथ फिटनेस की समस्या रही है। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पर्थ में कप्तानी करते हुए भारत को 295 रनों से जीत दिलाई थी। उन्होंने पांचवें और आखिरी टेस्ट में रोहित के बाहर होने पर भी कमान संभाली थी पर पीठ की परेशानी के कारण पूरा मैच नहीं खेल सके। इसके बाद, वह अनफिट होने के कारण तीन महीने भारतीय टीम से बाहर रहे और आईपीएल 2025 में वापसी की। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बुमराह ने काम के बोझ को देखते हुए कप्तानी से दूर रहने का फैसला किया है।

# 17 मई से फिर खेलें जाएंगे आईपीएल मुकाबलेः बीसीसीआई

### फाइनल तीन जून को खेला जाएगा

**मुम्बई।**

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि 17 मई से एक बार फिर आईपीएल मुकाबले शुरु होगें। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ संघर्ष के कारण ये मुकाबले एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिये गये थे। अब जबकि संघर्ष विराम लागू हो गया है। बीसीसीआई ने सरकार की मंजूरी मिलने के बाद इन मुकाबलों को फिर से शुरु करने का फैसला किया है। बीसीसीआई ने कहा है कि आईपीएल को ये 18 सत्र 17 मई से छह स्थानों पर फिर से शुरू होगा। इसमें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार फाइनल तीन जून को खेला जाएगा। इससे पहले आठ मई को पाक के ड्रोन हमलों को देखते हुए पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच को बीच में ही रद्द करना पड़ा था। तब पाकिस्तान ने चंडीगढ़ के पास भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश की थी जिससे स्टेडियम में ब्लैकआउट हो गया था। बीसीसीआई ने अपने एक बयान में कहा, ''हमें आईपीएल 2025 फिर से शुरू करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों और सभी प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद बोर्ड ने बचे सत्र के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है।'' लीग के फिर से शुरू होने पर पहला मैच 17 मई को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच मुकाबले से होगा। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार लीग मैचों के लिए छह स्थान बेंगलुरु, जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद और मुंबई रखे गये हैं।

वहीं प्लेऑफ मैचों के लिए स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी। छह स्थानों पर कुल 17 मैच खेले जाएंगे और संशोधित कार्यक्रम में दो 'डबल-हेडर' शामिल हैं जो दो रविवार को खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने देश की सुरक्षा करने वाले सशस्त्र बलों की वीरता और दृढ़ संकल्प को सलाम किया है। बोर्ड ने अपने बयान में कहा, ÷हम भारत की सशस्त्र सेनाओं के साहस और समर्पण को नमन करते हैं, जिनकी बदौलत क्रिकेट की सुरक्षित वापसी संभव हो पाई है। बीसीसीआई राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानता है और उसी भावना के साथ आईपीएल को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## अब कोच गंभीर के हाथ में आई पूरी ताकत

**नई दिल्ली।**

विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास के बाद अब मुख्य कोच गौतम गंभीर ही टीम में सर्वेसर्वा बन गये हैं। इससे पहले अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने भी संन्यास ले लिया था। ऐसे में अब कोई भी ऐसा खिलाड़ी नहीं है जो कोच के कामकाज पर सवाल उठा सके। आम तौर पर अनुभवी खिलाड़ी कोच पसंद नहीं करते क्योंके वे कोच की रणनीति पर सवाल उठाते रहते है।

भारतीय टीम को अगले माह इंग्लैंड दौरे में टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस दौरे पर जो भी नया कप्तान बनेगा वह शायद ही कोच के फैसलों से असहमति जता सके। शुभमन गिल को टी20 मैचों में कप्तानी का अनुभव है लेकिन टेस्ट मैच का नहीं। ऐसे में जब बड़े और कड़े फैसले लेने की बात आएगी तो वे कोच के दबाव में आ सकते हैं। वह भी तब जब उन्होंने एक साल में देखा है कि गंभीर का प्रभाव देखा है। हमने पिछले साल देखा कि गंभीर के कहने पर बीसीसीआई ने विदेशी सहायक कोच रखे। ये ऐसे सहायक कोच थे जो कभी ना कभी गौतम गंभीर के साथ रहे थे। कोच गंभीर की इस ताकत को देखते हुए अगर टीम का नया कप्तान दबाव में आ जाए तो इसमें किसी को हैरान होने की जरुरत नहीं है।

वहीं प्रशंसक उम्मीद करेंगे कि जो भी टीम इंडिया का नया कप्तान बने, वह कोच के दबाव में नहीं आते हुए अपने फैसले स्वतंत्र रहकर ले क्योंकि कमजोर कप्तान टीम के लिए नुकसानदेह रहता है। वहीं बीसीसीआई और इसके चयनकर्ताओं से भी उम्मीद रहेगी कि वे कप्तान को पूरी ताकत दें जिससे टीम बेहतर बने।

## दिल्ली कैपिल्स को अब स्टार्क के बिना ही खेलना होगा

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का बचा हुआ सत्र शीघ्र शुरु होने की संभावनाएं हैं पर इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स को अब लगता है कि अपने तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के बिना ही खेलना पड़ सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बची सभी विदेशी खिलाड़ी स्वदेश लौट गये थे। उन्ही में स्टार्क भी थे। अब जो संकेत मिले हैं उससे साफ है कि स्टार्क अब शायद आईपीएल के बाकी बचे मैचों के लिए भारत लौटने वाले नहीं हैं। पिछले सप्ताह युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के ज्यादातर खिलाड़ियों ने अपनी देश लौटने में ही भलाई समझी थी। रविवार को मिचेल स्टार्क अपनी पत्नी एलिसा हीली के साथ सिडनी पहुंच गए, जहां उन्होंने मीडिया से बात नहीं की पर उनके मैनेजर ने कहा कि वह पिछले दिन के तनाव के कारण डरे हुए और परेशान हैं। इसलिए बचे हुए सत्र के लिए वह जायं ऐसे संभावना नहीं है। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच को ब्लैकआउट के कारण बीच में ही रद्द किया गया था तो हर किसी को लग रहा था कि टूर्नामेंट को स्थगित किया जाएगा। शुक्रवार की दोपहर को बीसीसीआई ने एक सप्ताह के लिए आईपीएल के स्थगित पर अगले ही दिन शनिवार 10 मई को संघर्ष विराम की घोषणा हो गयी। ऐसे में टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की बात सामने आई। इसके बाद टीमों ने विदेशी खिलाड़ियों से संपर्क किय पर वे उत्सुक नहीं दिखे। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) अपने खिलाड़ियों को वापसी के बारे में व्यक्तिगत निर्णय लेने का अधिकार दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने जोर देकर कहा है कि इस तरह के विकल्पों से आईपीएल में भविष्य के चयन या बीसीसीआई के साथ संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए, क्योंकि खिलाड़ी कठिन हालातों के कारण वापस आये हैं।

# कोहली के संन्यास से रहाणे को मिल सकता है अवसर

**नई दिल्ली।**

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास लेने से अब चयनकर्ता किसी अनुभवी बल्लेबाज की तलाश करेंगे। ऐसे में लंबे समय से टीम में वापसी का प्रयास कर रहे आजिंक्य रहाणे को टीम में जगह मिल सकती है। रहाणे ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल में भी उनका अब तक अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए वह टीम में जगह पाने के प्रबल दावेदार उभरे हैं। विराट कोहली से पहले रोहित शर्मा पहले ही टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। इन दो दिग्गजों के एकसाथ जाने से भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों की कमी हो गयी है। ऐसे में रहाणे के अलावा चेतेश्वर पुजारा के लिए टीम में राह बन सकती है। इसका कारण है कि ये दोनों ही इंग्लैंड में भारतीय टीम के मध्य क्रम को मजबूत बना सकते हैं।

इंग्लैंड में मुश्किल विकेटों को देखते हुए जो सीम और स्विंग के लिए अनुकूल हैं। रोहित की अनुपस्थिति में भारत को कोहली जैसे अनुभवी और तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज की मदद की आवश्यकता थी। ऐसे में जब ये दोनो ही नहीं हैं। रहाणे मध्यक्रम को संभाल सकते हैं। वह जुलाई 2023 से टीम इंडिया से बाहर हैं. रहाणे का इंग्लैंड के खिलाफ हालांकि रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है। उन्होंने इंग्लैंड में लॉर्ड्स में सिर्फ एक शतक लगाया है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्ड्स में 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में उन्होंने 89 और 46 रन बनाए थे। . रणजी ट्रॉफी में रहाणे ने 9 मैचों में 35.92 की औसत से 467 रन बनाए। ऐसे में सबके उनकी मौजूदगी से टीम को मजबूती और अनुभव मिलेगा। वहीं पुजारा की

ऑस्ट्रेलिया में 2020-21 में भारत की टेस्ट सीरीज़ में अहम भूमिका रही। पुजारा के नाम पर भी बीसीसीआई इंग्लैंड दौरे के लिए विचार कर सकती है। पुजारा ने पूर्व में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने 39.51 की औसत से 1778 रन बनाए हैं।

### संक्षिप्त समाचार

## श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान अटापट्टू पर जुर्माना

**कोलंबो।**

श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू को आचार संहिता का उल्लंघन महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अटापट्टू पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया है। यह मामला दक्षिण अफ्रीका के साथ त्रिकोणीय सीरीज के ग्रुप चरण के अंतिम मैच के दौरान का है। तब 32वें ओवर में एनेरी डेरक्सन के चौका लगाने पर अटापट्टू ने अपना चश्मा उतारकर जमीन पर पटक दिया था। आईसीसी ने इस आचरण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन बताया है। ये अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट से जुड़े उपकरणों का दुरुपयोग और मैदान के उपकरणों को फेंकने से जुड़ा है। इस अपराध के लिए अटापट्टू पर मैच फीस का 10 फीसदी जर्माना लगाया गया है। ये 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। इस कारण अटापट्ट के खाते में अनुशासनात्मक कारवाई के तहत एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। मैदानी अंपायर अन्ना हैरिस और डेडुनू डी सिल्वा, तीसरे अंपायर लिंडन हैनिबल और चौथे अंपायर निमाली परेरा ने अटापट्टू पर आरोप लगाए थे। अटापट्टू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। इसलिए इस मामले में अधिक सुनवाई की जरुरत नहीं पड़ी।

## आईपीएल के लिए लौटने का फैसला खिलाड़ी स्वयं लेंगेः सीए

**सिडनी।**

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लौटने के लिए खिलाड़ियों पर किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाएगा। सीए ने कहा कि लीग में जाने या नहीं का फैसला खिलाड़ियों को स्वयं लेना है। इसमें सीए कोई हस्तक्षेप नहीं करने हुए खिलाड़ियों का समर्थन करेगा। आईपीएल जहां 17 मई से फिर शुरु हो रही है। वहीं ऑस्ट्रेलिया को अगले माह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल (डब्लयूटीसी) फाइनल भी खेलना है। बीसीसीआई ने कहा है कि आईपीएल का यह सत्र 17 मई से छह स्थानों पर शुरु होगा जबकि फाइनल तीन जून को खेला जाएगा। इससे ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट क्रिकेटरों के सामने संशय की स्थिति पैदा हो गई है क्योंकि 11 जून से दोनों टीमों के बीच लॉर्डस पर डब्ल्यूटीसी फाइनल होना है जिसकी तैयारी इन क्रिकेटरों को करनी है। सीए ने एक बयान में कहा, 'आईपीएल के शनिवार से फिर शुरू होने की घोषणा के बाद बोर्ड ने तय किया है कि इसके लिए भारत लौटने या नहीं लौटने के खिलाड़ियों के फैसले का वह सम्मान करेगा। साथ ही कहा, 'हम सुरक्षा इंतजामों को लेकर सरकार के संपर्क में हैं। इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण आईपीएल एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। वहीं संघर्ष विराम के बाद ये एक बार फिर शुरु हो रहा है।

## ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने विराट की जमकर प्रशंसा की

**सिडनी।**

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने टेस्ट क्रिकेट से भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने उन्हें एक महान बल्लेबाज बताया। किसी ने उनकी कप्तानी तो किसी ने बल्लेबाजी कौशन की तरीफ की। किसी ने विराट कोहली की बल्लेबाजी तो किसी मीडिया हाउस ने उनकी कप्तानी की सराहना उनके रिटायरमेंट के बाद की। वहीं एक मीडिया हाउस ने कहा, ''ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कोहली का अविश्वसनीय बल्लेबाजी कौशल और मैदान पर आक्राम तेवर का संयोजन आकर्षित करता था, जिससे कईयों को उसमें अपनी झलक दिखती थी।'' साथ ही कहा, ''कोहली की ऑस्ट्रेलिया में पहली सीरीज 2011-12 में थी, जिसमें माइकल क्लार्क की कप्तानी वाली मेजबान टीम हावी थी। 4-0 से पीछे होने के बाद भी कोहली ने निडर होकर खेला और एडिलेड में शतक के साथ सीरीज का समापन किया।'' विराट को लेकर एक अन्य मीडिया हाउस ने कहा, ''यह ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के साथ लड़ाई की शुरुआत थी जो इस साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उनके अंतिम दिन समाप्त हुई जब उन्होंने भीड़ को 'सैंडपेपर' का इशारा किया।'' वहीं ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण कॉरपोरेशन (एबीसी) ने भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में उनके सफल कार्यकाल की जानकारी दी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज जीत भी शामिल है। एबीसी ने लिखा, ''उनके टेस्ट करियर को साल 2014 से 2022 के बीच कप्तान के रूप में उनके कार्यकाल के लिए भी याद किया जाएगा, जिसमें उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में से 40 में जीत दिलाई और इस प्रारूप में देश के सबसे सफल कप्तान बने तथा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ 53 और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग 48 और स्टीव वॉ 41 के बाद जीत के मामले में चौथे स्थान पर रहे।''

एक अखबार ने लिखा विराट के संन्यास ने एक अरब लोगों का दिल तोड़ दिया है।

## इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा आज (सांध्य दैनिकों हेतु)

**मुम्बई।**

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा आज करेगी। इंडिया ए को इस दौरे में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेलने हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली भारतीय टीम की सीरीज से पहले इन मुकाबलों को अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिलेगी। इस टीम की कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन को दी जा सकती है। इसमें विकेटकीपर ईशान किशन पर को शामिल किया जाता है या नहीं ये देखना होगा। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले करुण नायर को भी इस दौरे के लिए जगह मिल सकती है। इस दौरे में तीन मैच होंगे। दो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ (30 मई-2 जून और 6-9 जून) और एक सीनियर भारतीय टीम के खिलाफ (13-16 जून) को खेला जाएगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों के लिए इंग्लैंड के हालातों में ढलने और बेहतर प्रदर्शन कर भविष्य के अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए अपनी दावेदारी पेश करने का अहम अवसर है। इस टीम के लिए. चयनकर्ताओं को सलाह दी गई थी कि वे उन खिलाड़ियों को चुनें जो आईपीएल में भाग नहीं ले रहे हैं या जो जल्दी बाहर होने की संभावना है। ऐसे में ईश्वरन, करुण नायर, बाबा इंद्रजीत और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियो का जगह मिलना तय है। वहीं ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी इंडिया ए के साथ शुरुआत के बाद सीनियर टीम में शामिल हो सकते हैं। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर सीनियर टीम से ही खेलेंगे। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और सरफराज खान को इंडिया ए में शामिल होने पर संशय बना हुआ है। मुकेश कुमार और यश दयाल को भी टीम की जरूरतों और आईपीएल की प्रगति के आधार पर अवसर मिल सकता है।

## अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से आईपीएल कार्यक्रम टकराने से विदेशी खिलाड़ियों का भाग लेना कठिन

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 17 मई से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फिर शुरु करने की घोषणा कर दी है। ऐसे में टीमों ने इसमें खेल रहे विदेशी खिलाड़ियों से लौटने के लिए कहा है जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं क्योंकि आईपीएल कार्यक्रम में आये बदलाव से उनके अन्य कार्यक्रम टकरा रहे हैं। संशोधित कार्यक्रम से अब आईपीएल तीन जून को खत्म होगा, जिससे ये अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से टकरा रहा है। जिससे विदेशी खिलाड़ी संशय में पड़ गये हैं। मई के अंत में एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर सक्रिय होगा और टीमें तैयारियों में लग जाएंगी। 29 मई से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला होगा, जिससे आईपीएल 2025 पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि इससे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी रोमारियो शेफर्ड (आरसीबी), शमर जोसेफ (लखनऊ सुपर जायंट्स) और शेरफेन रदरफोर्ड (गुजरात टाइटन्स) के लिए आईपीएल खेलना कठिन होगा। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। ऐसे में आईपीएल में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई और दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को इसमें खेलना कठिन होगा।

# डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, कमिंस करेंगे कप्तानी

### कैमरन, कुहनेमैन शामिल

**सिडनी।**

ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले माह इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिन (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पैट कमिंस की कप्तानी में उतरेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस मुकाबले के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलिया को 11 जून से होने वाले इस खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ने इस टीम में ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को भी शामिल किया है क्योंकि वह पीठ की सर्जरी से उबर गये हैं। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अच्छा प्रदरश्न करने वाले सलामी बल्लेबाज सैम कॉन्स्टास ने भी टीम में जगह मिली है। बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन भी इस टीम में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने टीम की घोषणा करते हुए कहा, ÷ हमें खुशी है कि कमिंस, जोश हैज़लवुड और कैमरन ग्रीन टीम में वापस आ गए हैं। टीम ने श्रीलंका में एक शानदार सीरीज जीत के साथ डब्ल्यूटीसी चक्र को समाप्त किया।, उन्होंने आगे कहा, श्रीलंका और भारतीय टीम के खिलाफ जीत से इन हमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताब का बचाव करने का एक बेहद रोमांचक अवसर मिला है। फाइनल तक पहुंचना समूह के लिए बहुत अहम है और वे लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चुनौती का सामना करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, डब्ल्यूटीसी

फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार हैः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कॉन्स्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर.

रिजर्व÷ ब्रेंडन डॉगेट।

## विराट और रोहित घरेलू क्रिकेट खेलेंः गावस्कर

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के दो प्रमुख बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के एक सप्ताह के अंदर ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास से जहां प्रशंसक हैरान हैं। वहीं पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जब खिलाड़ी की उम्र 35 हो जाती है तो खेल में रुकावट नहीं होना चाहिए क्योंकि फिर वापसी मुश्किल होती है। गावस्कर ने कोहली और रोहित को कहा है कि वह घरेलू क्रिकेट खेले जिससे कि वे साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी बेहतर तरीके से पेश कर सकें। गावस्कर से जब पूछा गया कि क्या आपको लगता है कि दोनों 2027 में होने वाला एकदिवसीय विश्व कप खेलेंगे? तो उन्होंने कहा कि ये उनकी फॉर्म पर निर्भर करेगा। साथ ही कहा कि जब आपकी उम्र 35 साल से अधिक हो जाती है तो आपको शीर्ष स्तर के खेल को बीच में छोड़ना नहीं चाहिए। अगर आप बीच में नहीं खेलते हैं तो फिर वापसी थोड़ी मुश्किल हो जाती है। उनको काफी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। साथ ही कहा कि अगर वे शतक पर शतक मारते रहेंगे तो 2027 में विश्वप में खेल सकते हैं। सचिन तेंदुलकर 40 साल की उम्र तक खेले थे। उन्होंने दिखाया कि 40 की उम्र में भी शतक लगा सकते हैं और अच्छी तरह बल्लेबाजी कर सकते हैं। साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय कप से पहले भारत को 27 एकदिवसीय खेलने हैं, जिनमें बांग्लादेश के खिलाफ अगस्त-सितंबर में तीन मैचों की सीरीज भी शामिल है। एशिया कप के बाद अक्टूबर नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेली जाएगी। फिर नवंबर-दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज आयोजित होगी। इनके अलावा भारतीय टीम को न्यूजीलैंड , अफगानिस्तान, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और श्रीलंका से भी एकदिवसीय सीरीज खेलनी हैं। ऐसे में कोहली और रोहित आने वाले समय में कितने एकदिवसीय मैच खेलेंगे यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

**भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।**

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

## उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

## वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

## मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्गन्-मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

## मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

## भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

## मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

# एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

**एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।**

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

## कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

## एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

## कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

## वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

### प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

# महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

**स्त्री रोग विशेषज्ञ को विनम्र होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।**

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

## क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

**योग्यता** - स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्निशप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

**व्यक्तिगत गुण** - स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

**आमदनी** - स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

## कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सुरक्षाबलों ने शोपियां में लश्कर के एक आतंकी किया ढेर, दो जिंदा गिरफ्तार

## खुफिया जानकारी मिलने पर चलाया था सर्च ऑपरेशन, हथियार के साथ दस्तावेज भी हुए बरामद

**श्रीनगर।**

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने एक सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया है। दक्षिण कश्मीर के जिनपथेर केलर इलाके में आतंकियों के साथ मुठभेड़ के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी को मार गिराया गया, जबकि दो आतंकियों को जिंदा गिरफ्तार कर सुरक्षाबलों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान हथियार और दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, खुफिया सूत्रों से सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि शोपियां के जम्पाथरी क्षेत्र में कुछ आतंकी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने एक संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया। जैसे ही आतंकियों को घेरा गया, उन्होंने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी।

सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया, जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े सदस्य के रूप में हुई है। वहीं, दो आतंकियों ने भागने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें दबोच लिया। पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया है।

मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से भारी मात्रा में गोला-बारूद, असलहे और कई संवेदनशील दस्तावेज बरामद हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बरामद दस्तावेजों और गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ के आधार पर आतंकी नेटवर्क को लेकर और भी अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। इस ऑपरेशन को स्थानीय नागरिकों की सतर्कता और खुफिया एजेंसियों के तालमेल का परिणाम बताया जा रहा है।

अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि भविष्य में किसी भी आतंकी घटना को समय रहते रोका जा सके।

पाक आतंकियों के पोस्टर जारी

इससे पहले मंगलवार को ही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम हमले में शामिल तीन पाकिस्तानी आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं।

इन आतंकियों की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई है।

कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में इन आतंकियों की तस्वीरें सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा की गई हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### सीबीएसई बोर्ड द्वारा जारी 12वीं के रिजल्ट में यूपी के कुल 80 प्रतिशत स्टूडेंट पास

**प्रयागराज।**

सीबीएसई बोर्ड ने 12वीं का रिजल्ट जारी किया है। यूपी में कुल 80 प्रतिशत स्टूडेंट पास हुए। लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 9 प्रतिशत ज्यादा रहा। एग्जाम में लड़कियों का पास प्रतिशत 85.82, जबकि लड़कों का 76.10 प्रतिशत रहा। उत्तर प्रदेश के रीजनल सेंटर में सबसे ज्यादा नोएडा के 81.29 प्रतिशत, जबकि सबसे कम प्रयागराज के 79.53 प्रतिशत छात्रों ने बाजी मारी। वहीं तीसरे रीजन देहरादून का रिजल्ट सबसे ज्यादा 83.45 प्रतिशत के साथ 13वें नंबर पर रहा। मेरठ के करन पिलानिया के 500 में से 499 अंक आए हैं। उनके 99.80 प्रतिशत मार्क्स हैं। स्कूल प्रशासन का दावा है कि करन इंडिया की टॉप स्टूडेंट की सूची में हो सकते हैं। करन के पिता बबलू सिंह बीएसएफ में हैं। फिलहाल वे राजौरी में बॉर्डर पर तैनात हैं। बेटे ने 12वीं में मोर्चा मारा, तब वह बेहद खुश हो गए। यूपी रीजनल सेंटर में प्रयागराज 17वें और नोएडा 16वें नंबर पर रहा। देश के 17 रीजनल सेंटर में 99.60 प्रतिशत के साथ त्रिवेंद्रम टॉप पर है। दूसरे नंबर पर 99.32 प्रतिशत के साथ विजयवाड़ा, 97.39 प्रतिशत के साथ चेन्नई तीसरे नंबर पर रहा।

### ड्रोन अटैक में घायल हुई महिला की इलाज के दौरान मौत, पति और बेटे का इलाज जारी

**अमृतसर।**

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच फिरोजपुर के खाई गांव में ड्रोन अटैक में घायल हुई महिला सुखविंदर कौर की लुधियाना के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई। जबकि, इसी हादसे में घायल हुए उनके पति लखविंदर सिंह और बेटे का अभी इलाज जारी है। सरकार ने परिवार को 5 लाख रुपए देने की घोषणा की है। उधर, सीजफायर के ऐलान के बाद भी लगातार सोमवार रात तीसरे दिन पंजाब में ड्रोन दिखाई दिए। होशियारपुर में ड्रोन दिखाई दिए। हालांकि, आर्मी की टीम ने इन्हें हवा में ही गिरा दिया। इसके बाद होशियारपुर के दसूहा और मुकेरियां में ब्लैकआउट कर दिया गया। दोनों जगह 5 से 7 धमाके सुने गए। इसके अलावा जालंधर के मंड में एक ड्रोन मार गिराया। प्रशासन ने सुरानुसी में ब्लैकआउट कराया। अमृतसर में रात को कुछ देर के लिए ब्लैकआउट रहा। साथ ही दिल्ली से आने वाली फ्लाइट को यहां लैंड नहीं होने दिया और मानसा से ही लौटा दिया गया।

### श्रीनगर एयरपोर्ट से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू, दिल्ली से एअर इंडिया की फ्लाइट हुई लैंड

**नई दिल्ली।** ऑपरेशन सिंदूर के 6 दिन बाद मंगलवार को श्रीनगर एयरपोर्ट के फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हुए हैं। दिल्ली से एअर इंडिया की फ्लाइट दोपहर 12:49 बजे लैंड हुई। भारत-पाक तनाव के चलते श्रीनगर एयरपोर्ट 7 मई से बंद था। दिल्ली एयरपोर्ट से चंडीगढ़, अमृतसर और श्रीनगर जाने वाली कई फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पहले बताया था कि सुरक्षा कारणों की वजह से फ्लाइट शेड्यूल में बदलाव हो सकता है। एअर इंडिया ने भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे 8 शहरों में आने-जाने वाली अपनी सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। इसमें जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट शामिल है। बीती रात राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में ड्रोन दिखने के बाद इंडिगो ने भी 6 शहरों में सभी उड़ानें रद्द कर दीं। इसमें जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट एयरपोर्ट शामिल हैं। दिल्ली से अमृतसर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट को सोमवार शाम ब्लैकआउट के कारण वापस लौटना पड़ा। भारत-पाक सीजफायर के बाद सोमवार को 32 एयरपोर्ट्स खोल दिए गए थे। इनमें अभी फ्लाइट ऑपरेशन्स शुरू नहीं हुए हैं।

### केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ ने सीडीएस और सेना प्रमुखों के साथ की बैठक

**नई दिल्ली।** केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और देश के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने पाकिस्तान के साथ सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा बैठक की। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए। भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को दहला दिया था जिसके बाद उसकी गुहार पर दोनों देशों के बीच सीजफायर लागू हुआ। भारत और पाकिस्तान ने चार दिनों तक सीमा पार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद जमीन, हवा और समुद्र में किसी भी तरह के संघर्ष को तुरंत खत्म करने पर सहमति जाहिर की थी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इसकी औपचारिक घोषणा की थी।

## पाकिस्तान को पीएम मोदी की दो टूक चेतावनी.....परमाणु ब्लैक्मेल बर्दाश्त नहीं

### विकसित भारत के सपने को पूरा करने भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी

**नई दिल्ली।**

भारत द्वारा आपरेशन बुद्ध मुस्कुराये के तहत किए गए पहले परमाणु परीक्षण के पांच दशक बाद सोमवार को पीएम नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि इस्लामाबाद के परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद पहली बार राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा का जिक्र किया और कहा कि भगवान बुद्ध ने हमें शांति का रास्ता दिखाया है। शांति का मार्ग भी शक्ति से होकर गुजरता है। मानवता, शांति और समृद्धि की तरफ बढ़े, हर भारतीय शांति से जी सके, विकसित भारत के सपने को पूरा कर सके, इसके लिए भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी है और जरुरत पड़ने पर इस शक्ति का इस्तेमाल भी जरूरी है और पिछले कुछ दिनों में भारत ने यही किया है। भारत ने 1974 में जब पहला परमाणु परीक्षण किया था उस दिन बुद्ध पूर्णिमा थी। इसी प्रकार 11 मई 1998 को जब दूसरा परमाणु परीक्षण किया गया तो उस दिन भी बुद्ध पूर्णिमा थी। भारत के दूसरे परमाणु परीक्षण का कूट नाम यद्धपि आपरेशन शक्ति था किंतु इसे बुद्ध दोबारा मुस्कुराये नाम से याद किया जाता है। बुद्ध मुस्कुराये यह कोड संदेश पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को तब भेजा गया था जब भारत ने 18 मई 1974 को राजस्थान के पोखरण टेस्ट रेंज में सफलतापूर्वक अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था इस दिन बुद्ध पूर्णिमा थी। इसलिए, कोडनेम दिया गया। पीएम मोदी ने कहा कि अब भारत पर आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे। हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंक की जड़ें निकलती हैं। मोदी ने पूरी दृढ़ता और चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि हमने पाकिस्तान के खिलाफ अभियान को केवल स्थगित किया है और भविष्य उनके व्यवहार पर निर्भर करेगा।

## पहलगाम आंतकी हमला: भारत ने अमन की आस छोड़....जिन्ना के देश पर एक्शन शुरु किया

**नई दिल्ली।**

पहलगाम में 26 बेकसूर सैलानियों की हत्या भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास का कमजोर मोड़ था जहां से चीजें बदल गई। आतंकियों की इस करतूत से भारत स्तब्ध था। 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद बीते 5 साल में भारत पाकिस्तान के संबंधों में मामूली सा सुधार हो रहा था। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद घाटी की हसीन वादियां पर्यटकों से गुलजार हो रही थीं। तभी पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों को धर्म पूछकर उन्हें मार डाला। इस घटना ने भारत-पाकिस्तान संबंधों के सारे नियम बदल दिए। बात दें कि भारत-पाकिस्तान के बीच 47 से ही रिश्ते खराब थे। लेकिन इस रिश्ते को पटरी पर लाने के लिए बीच बीच में पहल की गई। अमन की आशा ऐसी ही एक पहल थी। यह दौर भारत की उस नीति का हिस्सा था, जिसमें पाकिस्तान के साथ बातचीत, व्यापार, और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए तनाव कम करने की कोशिश की गई। 1990 और 2000 के दशक में भारत ने कई बार शांति वार्ता की पहल की, जैसे 1999 में पीएम वाजपेयी की लाहौर बस यात्रा और 2001 में आगरा शिखर सम्मेलन शामिल था। हालांकि इस दौरान भी पाकिस्तान अपने स्टैंड पर कायम रहा और भारत को चोट देने की नापाक कोशिश करता रहा। लेकिन आईएसआई के टेरर टैक्टिस, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद की करतूतों ने भारत की अपेक्षाओं पर कुठाराघात किया। भारत में यह धारणा मजबूत हुई कि पाकिस्तान की सरकार और सेना शांति वार्ता का इस्तेमाल केवल दिखावे के लिए करती है, जबकि सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देती है। इन्ही परिस्थितियों में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। हमले की टाइमिंग महत्वपूर्ण थी, क्योंकि यह घटना तब हुई जब पीएम मोदी सऊदी अरब दौरे के पर थे। जबकि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर थे। हमले के बाद सऊदी अरब का दौरा रद्द कर स्वदेश लौटे पीएम मोदी ने कहा कि इस जघन्त करतूत को अंजाम देने वालों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा।

## सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं के परिणाम किए घोषित, देवांशी बनी टॉपर

**जयपुर।**

सीबीएसई ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। जयपुर में सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में कुल मिलाकर 2.70 लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इनमें 1.30 लाख छात्र 12वीं कक्षा के थे। इसमें जयपुर की यशस्वी ने 99 फीसदी नंबर हासिल कर टॉप किया है। परीक्षाएं 15 फरवरी से 4 अप्रैल 2025 के बीच आयोजित की गईं। छात्र अपना रिजल्ट तीन वेबसाइट्स पर देख सकते हैं। रिजल्ट देखने के लिए छात्रों को अपना रोल नंबर, एडमिट कार्ड आईडी, स्कूल नंबर और जन्म तिथि की जानकारी देनी होगी। बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों को फर्जी खबरों से सावधान रहने की सलाह दी है। उन्हें केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करना चाहिए। लॉगिन विवरण भरने के बाद छात्र अपनी डिजिटल मार्कशीट डाउनलोड कर सकेंगे। पिछले साल 2024 में कक्षा 12वीं में 16.21 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 87.98 फीसदी छात्र पास हुए थे। बोर्ड ने पिछले साल 13 मई को नतीजे जारी किए थे। छात्रा उर्मिला आनंदका ने 12वीं में 96 फीसदी अंक हासिल किए। उर्मिला आनंदका ने 12वीं में 96 फीसदी अंक हासिल किए। छात्र आर्थक खंडेलवाल ने 12वीं में 95.6फीसदी अंक हासिल किए। वहीं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं का परिणाम भी जारी कर दिया है। इस साल कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त हुईं थीं। जयपुर में सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में कुल मिलाकर 2.70 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। इनमें 1.40 लाख छात्र-छात्राएं 10वीं कक्षा के थे। छात्र अपना रिजल्ट देखने के लिए रोल नंबर, एडमिट कार्ड आईडी, स्कूल नंबर और जन्म तिथि का इस्तेमाल कर सकते हैं। लॉगिन विवरण भरने के बाद वे अपनी डिजिटल मार्कशीट डाउनलोड कर संकेंगे। पिछले साल 2024 में कक्षा 10वीं में 22.38 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। इनमें से 93.60 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए थे। बोर्ड ने छात्रों और अभिभावकों को फर्जी खबरों से सावधान रहने की सलाह दी है। उन्हें केवल आधिकारिक वेबसाइट से जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

## पाकिस्तान की खुली पोल, राफेल पायलट शिवांगी को पकड़ने का किया था दावा

### शिवांगी के पिता बोले- खबर सुनकर हुई थी चिंता, थोड़ी देर में ही दुश्मन का झूठ आ गया सामने

**वाराणसी।**

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इसमें कांधार प्लेन हाइजैक, मुंबई हमले में शामिल बड़े आतंकियों समेत 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। 1971 के बाद यह पहली बार था, जब तीनों सेनाओं ने मिलकर किसी ऑपरेशन को अंजाम दिया था। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने भारत के 5 लड़ाकू विमान मार गिराए। एक दावा यह भी है कि भारतीय वायु सेना की पहली महिला राफेल पायलट शिवांगी सिंह को एयर स्ट्राइक के दौरान पाकिस्तान ने अपना निशाना बनाया है।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के लोगों का दावा है कि शिवांगी बचने के लिए फाइटर जेट से कूद गईं और पाकिस्तानी सेना ने उसे पकड़ लिया। हालांकि, कुछ घंटों बाद भारत ने पाकिस्तान में चल रहे इन दावों को खारिज कर दिया था। वाराणसी की रहने वाले शिवांगी के पिता कुमारेश्वर सिंह ने बताया कि जिस दिन यह खबर वायरल हुई, उस दिन हमें थोड़ी चिंता थी, लेकिन हम किससे पूछने जाते? कुछ देर बाद हमें सच्चाई पता चली, तो राहत की सांस ली और दुश्मन देश का झूठ सबके सामने आया गया। पिता कुमारेश्वर कहते हैं कि हमारी बेटी सुरक्षित है। हम सभी खुश हैं। वह देश सेवा कर रही है। हालांकि, पिता ने कैमरे पर बातचीत करने से मना कर दिया।

शिवांगी सिंह साल 2017 में भारतीय वायुसेना में शामिल हुई थीं। वाराणसी में उनका परिवार रह रहा है। शिवांगी की मां का नाम सीमा सिंह हैं। वहीं, दो भाई मयंक, शुभांशु और एक बहन हिमांशी सिंह हैं। शिवांगी वाराणसी में पली-बढ़ीं और बीएचयू से एनसीसी करने के बाद भारतीय वायुसेना की राफेल स्क्वॉड्रन की पहली महिला फाइटर पायलट बनने का सौभाग्य हासिल किया। वाराणसी ही नहीं, देश में भी वायुसेना की ओर से बतौर फ्लाइट लेफ्टिनेंट शिवांगी सिंह राफेल पर नजर आईं।

महिला लड़ाकू पायलटों के दूसरे बैच के हिस्से के रूप में शिवांगी सिंह को साल-2017 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला था। शिवांगी ट्रेनिंग के बाद अंबाला में मौजूद वायुसेना की 17 स्क्वॉड्रन गोल्डन एरो में शामिल हुईं।

वायुसेना में 2017 में शामिल होने के बाद से ही शिवांगी मिग-21 बाइसन जैसा विमान उड़ा रही हैं। वह अंबाला में भारत के सर्वश्रेष्ठ फाइटर पायलटों में से एक विंग कमांडर अभिनंदन के साथ भी रह चुकी हैं।

## भारत हर साल 100 ब्रह्मोस बनाएगा, सेना होगी और अधिक ताकतवर

**नई दिल्ली।**

एक झटके में पाकिस्तान को औकात दिखाने वाली भारत की सेना अब और अधिक मजबूत होगी। यहां अत्याधुनिक हथियार और सिस्टम पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है साथ हर साल 100 ब्रह्मोस बनाने का भी निर्णय लिया गया है। भारत ने रविवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया, जो उत्तर प्रदेश के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका वर्चुअल उद्घाटन किया। यह वही ब्रह्मोस है, जिसने हाल ही में पाकिस्तान के कई एयरबेस को निशाना बना कर दुनिया को भारत की सैन्य क्षमता का अहसास कराया था। लखनऊ की इस अत्याधुनिक यूनिट में अब ब्रह्मोस मिसाइल के मौजूदा संस्करणों के साथ-साथ अगली पीढ़ी की हल्की ब्रह्मोस-एनजी मिसाइलें भी तैयार की जाएंगी।

ये मिसाइलें जमीन, समुद्र और हवा, तीनों मोर्चों से दुश्मन पर धावा बोलने में सक्षम हैं। यह यूनिट हर साल 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइल बनाएगी और भविष्य में 100 से 150 एनजी वर्जन तक का उत्पादन करेगी। डीआरडीओ और रूस की एनपीओ मशीनोंस्ट्रोयेनिया के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस मिसाइल की गति मैक 2.8 (करीब 3,430 किमी प्रति घंटे) है और इसकी मारक क्षमता 400 किमी तक है।इस यूनिट को 300 करोड़ रुपये की लागत से 80 हेक्टेयर जमीन पर तैयार किया गया है, जो उत्तर प्रदेश सरकार ने मुफ्त दी थी। इसी परिसर में टाइटेनियम और सुपर एलॉय से जुड़ा स्ट्रैटेजिक मटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स भी बनेगा, जो डिफेंस ग्रेड सामग्री तैयार करेगा। इसके अलावा एक विशेष डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम की आधारशिला भी रखी गई है।पाकिस्तान द्वारा सिरसा की तरफ बैलिस्टिक मिसाइल दागने के बाद भारत ने 10 बड़े एयरबेसों पर करारा जवाब दिया था। इनमें नूर खान, रफीकी, सर्गोधा, मुरिद, सक्कुर, स्कर्दू, सियालकोट, पासरूर, जैकबाबाद और भोलारी जैसे अहम बेस शामिल थे। इन ठिकानों पर ब्रह्मोस, हैमर और स्कैल्प मिसाइलों से हमला किया गया। नूर खान बेस पर हुआ हमला सबसे अहम माना गया क्योंकि यह पाकिस्तान की एयर लॉजिस्टिक्स और न्यूक्लियर योजना से जुड़ा केंद्र था।

# राहुल के बिहार दौरे से पहले कांग्रेस के 17 नेताओं ने की बीजेपी ज्वाइन

## अनवर की कार्यशैली ने उच्च जाति के समर्थकों को अलग-थलग कर दिया

**पटना।**

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे से कुछ ही दिन पहले पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कटिहार जिले के 17 प्रमुख नेता कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में चले गए हैं। यह राजनीतिक बदलाव वरिष्ठ कांग्रेस नेता और छह बार के सांसद तारिक अनवर के खिलाफ गंभीर आरोपों के साथ हुआ है। इससे पार्टी में दरार और गहरी हो गई है और बिहार में कांग्रेस की ताकत पर सवाल उठ रहे हैं।

इस नाटकीय बदलाव का नेतृत्व कांग्रेस से जुड़े श्रमिक संगठन आईएनटीयूसी के अध्यक्ष विकास सिंह ने किया। उन्होंने तारिक अनवर पर अपने कार्यों और बयानबाजी दोनों में उच्च जाति विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। बिहार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है।

आने वाले दिनों में सैकड़ों-हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल होने के लिए तैयार हैं। सिंह के मुताबिक 17 प्रभावशाली उच्च जाति के कांग्रेस नेताओं का पाला बदलने का फैसला तारिक अनवर के कथित पक्षपात और रवैये के खिलाफ बढ़ते आक्रोश से उपजा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर की कार्यशैली ने उच्च जाति के समर्थकों के एक बड़े वर्ग को अलग-थलग कर दिया है। कटिहार में एक प्रभावशाली मतदाता समूह, जहां जातिगत गतिशीलता अक्सर चुनावी नतीजों को आकार देती है।

नेताओं का पलायन और जातिगत आक्रोश ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस पहले से ही इंडिया ब्लॉक के भीतर आंतरिक असंतोष का सामना कर रही है।

यह घटनाक्रम तारिक अनवर के पारंपरिक समर्थन आधार को खत्म कर सकते हैं और उनकी छवि को धूमिल कर सकते हैं।

अनवर के नेतृत्व में लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाला कटिहार अब राजनीतिक रूप से कमजोर दिख रहा है। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाला उच्च जाति समुदाय अब कांग्रेस से दूर जा सकता है।

## दुनिया में हो रही भारत के एयर डिफेंस सिस्टम की सराहना, बताया- एक नए युग का संकेत

**नई दिल्ली।**

भारत ने पाकिस्तान पर जिस सटीकता से मिसाइलें दागी हैं और अपने एयर डिफेंस सिस्टम से खुद को बचाया है इसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। भारत के मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को चौका दिया है। माना जा रहा है कि ये दुनिया में एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को सफलता से निशाना बनाने वाले भारत ने एयर डिफेंस की फील्ड में भी पूरी दुनिया को चौंका कर रख दिया है। भारत की कामयाबी केवल इसमें नहीं है कि उसने आतंकी ठिकानों को तबाह किया बल्कि पाकिस्तान की ओर से दागी गई मिसाइलों और भेजे गए हजारों ड्रोनों को अपनी हवाई सीमा में घुसते ही मार गिराया। अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट जान स्पेंसर ने कहा कि भारत की कामयाबी एयर डिफेंस के एक नए युग की ओर इशारा कर रही है। जान स्पेंसर ने एक लेख में कहा कि भारत ने स्वेदश में विकसित और विदेशों से खरीदी गई मिसाइलों के जरिये एयर डिफेंस का एक ऐसा मल्टी लेयर सिस्टम तैयार किया है, जिसने भेदना एक तरह से नामुमकिन ही है। भारत के ये एयर डिफेंस सिस्टम आकाश और क्यूआरएसएएम जैसे स्वदेशी रूप से निर्मित प्लेटफार्मों का मिश्रण है। जिसे इजरायली बराक-8 सिस्टम और रूस में बने एस-400 के साथ जोड़ा गया है।

ये मल्टी लेयर एयर डिफेंस सिस्टम- लंबी, मध्यम और छोटी दूरी की मिसाइलों से बना है। इनको सुरक्षा के एक सहज, मल्टी लेयर नेट में एक साथ काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। जान स्पेंसर के मुताबिक दूसरी ओर पाकिस्तान ने एयर डिफेंस के लिए मुख्य रूप से चीन में बने एचक्यू-9/पी (एस-300 के समान एक लंबी दूरी का सिस्टम), एनवाय-80 और एफएम-90 जैसी चीनी निर्मित प्रणालियां तैनात की हैं। ये सिस्टम कागज पर सक्षम हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### चौथे दौर की परमाणु वार्ता से अमेरिका व ईरान उत्साहित

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी व ईरानी प्रतिनिधियों के बीच रविवार को चौथे दौर की बैठक हुई। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि वार्ता के दौरान विभिन्न मुद्दों को लेकर अमेरिकी व ईरानी वार्ताकार उत्साहित हैं। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसी हफ्ते पश्चिम एशिया का दौरा करने वाले हैं। ओमान की राजधानी मस्कट में यह वार्ता ओमानी अधिकारियों की मध्यस्थता में करीब तीन घंटे चली। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई के हवाले से सरकारी टेलीविजन ने बताया कि वार्ता लंबी चली और अगले दौर की वार्ता के लिए चर्चा जारी है। हालांकि, बघाई ने ब्योरा नहीं दिया। बंद कमरे में हुई बातचीत के बारे में एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, वार्ता को जारी रखने पर सहमति बनी है। इसमें तकनीकी पहलुओं पर काम किया जाएगा। हम आज के परिणाम से उत्साहित हैं और अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो निकट भविष्य में होगी।

### गाजा में बचे आखिरी अमेरिकी बंधक की रिहाई होगी, गाजा-इजराइल के बीच हमले जारी

**गाजा, एजेंसी।** हमास ने रविवार को घोषणा की कि वह गाजा में जीवित बचे अमेरिकी बंधक, एडन अलेक्जेंडर को रिहा करेगा। एडन एक इजरायली-अमेरिकी सैनिक है। जिसका 7 अक्टूबर 2023 को अपहरण कर लिया गया था। डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा कि 21 वर्षीय अलेक्जेंडर अपने परिवार के पास घर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- यह अमेरिका और मध्यस्थों (कतर और मिस्र) के प्रयासों के बाद यह कदम उठाया गया था, ताकि इस युद्ध को खत्म किया जा सके और सभी जीवित बंधकों को उनके घर भेजा जा सके। हालांकि, गाजा में इजराइली हमले अब भी बंद नहीं हुए हैं। 11 मई को हुए इजराइली हमलों में 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

### मेक्सिको की बाजा कैलिफोर्निया की गवर्नर और उनके पति के अमेरिकी टूरिस्ट वीजा रद्द

**सैक्रामेण्टो, एजेंसी।** मेक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया राज्य की गवर्नर मरीना डेल पिलर एविला ओल्मेडा ने रविवार को सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने उनके और उनके पति के टूरिस्ट वीजा रद्द कर दिए हैं। गवर्नर ने इस कदम के कारण का खुलासा नहीं किया, और न ही अमेरिकी दूतावास ने इस मामले पर कोई टिप्पणी की है। गवर्नर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि यह स्थिति दोनों के लिए संतोषजनक तरीके से स्पष्ट हो जाएगी। बता दें कि बाजा कैलिफोर्निया राज्य कैलिफोर्निया से सीमावर्ती है, और दोनों राज्यों के बीच व्यापारिक रिश्ते काफी गहरे हैं।

### अर्जेंटीना के सुप्रीम कोर्ट को नाजी शासन से जुड़े अभिलेख मिले

**ब्यूनस आयर्स, एजेंसी।** अर्जेंटीना के सुप्रीम कोर्ट को अपने अभिलेखों में नाजी शासन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं, जिसमें प्रचार सामग्री भी शामिल है जिसका इस्तेमाल दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र में एडॉल्फ हिटलर की विचारधारा को फैलाने के लिए किया गया था, अदालत के एक न्यायिक अधिकारी ने रविवार को एसोसिएटेड प्रेस को बताया। न्यायिक अधिकारी ने कहा कि अदालत को यह सामग्री तब मिली जब वह अपने ऐतिहासिक दस्तावेजों के साथ एक संग्रहालय बनाने की तैयारी कर रहा था। अधिकारी ने आंतरिक नीतियों के कारण नाम न बताने का अनुरोध किया। दस्तावेजों में उन्हें जर्मन शासन से पोस्टकार्ड, तस्वीरें और प्रचार सामग्री मिली। अधिकारी ने कहा कि कुछ सामग्री का उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अर्जेंटीना में एडोल्फ हिटलर की विचारधारा को मजबूत करना और उसका प्रचार करना था। माना जाता है कि ये बक्से 20 जून, 1941 को ब्यूनस आयर्स में 83 पैकेजों के आगमन से संबंधित हैं, जिन्हें टोक्यो में जर्मन दूतावास द्वारा जापानी स्टीमशिप नान-ए-मारू पर भेजा गया था।

### अमेरिका में लिस्टेरिया प्रकोप में 10 लोग बीमार

**लिस्टेरिया, एजेंसी।** अमेरिकी संघीय अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका में कम से कम 10 लोग तैयार खाद्य उत्पादों से जुड़े लिस्टेरिया प्रकोप में बीमार हुए हैं और एक निर्माता स्वेच्छा से कई उत्पादों को वापस बुला रहा है। यू.एस. खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने शनिवार को कहा कि संघीय, राज्य और स्थानीय अधिकारी सैन फर्नांडो, कैलिफोर्निया के फ्रेश रेडी फूड्स एलएलसी द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थों से जुड़े प्रकोप की जांच कर रहे हैं। एफडीए का कहना है कि बीमार पड़ने वाले 10 लोग कैलिफोर्निया और नेवादा में थे, और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता थी। एजेंसी ने कहा कि ये उत्पाद एरिजोना, कैलिफोर्निया, नेवादा और वाशिंगटन में खुदरा विक्रेताओं और खाद्य सेवा बिक्री बिंदुओं सहित अस्पतालों, होटलों, सुविधा स्टोर, हवाई अड्डों और एयरलाइनों द्वारा बेचे गए थे। लिस्टेरिया के लक्षण आमतौर पर दूषित भोजन खाने के दो सप्ताह के भीतर शुरू होते हैं। हल्के मामलों में बुखार, मांसपेशियों में दर्द, मतली, थकान, उल्टी और दस्त शामिल हो सकते हैं, जबकि अधिक गंभीर लक्षणों में सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, भ्रम, संतुलन की कमी और ऐंठन शामिल हो सकते हैं।

## पाकिस्तान में अपनी सेना तैनात करेगा चीन

# पहले किया विरोध... जिनपिंग ने दिखाई आंख तो ढीले पड़े शहबाज

**बीजिंग, एजेंसी।** भारत और पाकिस्तान युद्ध की दहलीज पर खड़े हैं और फिलहाल अपने कदम पीछे खींचते दिख रहे हैं। दोनों देश लगभग युद्ध की स्थिति में थे। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की इस स्थिति में चीन ने एक बार फिर वही किया जिसके लिए वह जाना जाता है, दोहरा खेल। ऊपर से देखने पर भले ही ऐसा लगे कि चीन ने शांति और बातचीत पर जोर देकर कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश की है, लेकिन खिड़की के अंदर खड़े होकर देखने पर पता चलता है कि चीन दरअसल दोहरा खेल खेल रहा है। शिन्हुआ विश्वविद्यालय के माओ केई और साउथ एशियन रिसर्च ग्रुप के चेन झोउ ने चीनी वेबसाइट गुआंचा में एक लेख लिखा है। जिसमें उन्होंने अक्साई चिन में चीनी सैनिकों की तैनाती की बात कही है और लिखा है कि ये चीनी सैनिक दरअसल भारत और पाकिस्तान के बीच एक बड़े युद्ध को रोकने के लिए वहां मौजूद हैं।

इस लेख में दोनों ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच चीन की कूटनीति को समझाने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा कि कुछ हद तक, चीन भारतीय कार्रवाई से पहले पाकिस्तान को मजबूत समर्थन जारी करके भारतीय आक्रामकता को रोकना चाहता था, लेकिन एक बार जब भारत ने कार्रवाई शुरू कर दी, तो ऐसे बयानों के लिए कोई जगह नहीं थी। उसके बाद बीजिंग को कड़ी चेतावनी जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। इसके बजाय, वह बातचीत का आग्रह करने और शांति को बढ़ावा देने के अपने पारंपरिक रुख पर लौट आया। उन्होंने लिखा कि बयानबाजी में यह सूक्ष्म बदलाव क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति चीन की गहरी

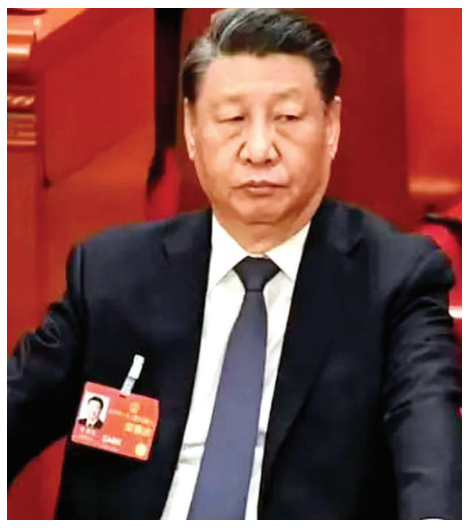

चिंता और जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है।

### चीन की दोहरी कूटनीति

उन्होंने लिखा कि इससे पहले पाकिस्तान के बयानों का समर्थन करके चीन ने भारत पर कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई न करने के लिए अप्रत्यक्ष दबाव बनाने की कोशिश की थी। जब भारत ने सीमित सैन्य कार्रवाई शुरू की, तो बीजिंग अपनी पारंपरिक शांति की भाषा पर लौट आया। उन्होंने लिखा है कि चीन का यह रवैया उसकी परंपराओं के अनुरूप है, जिसमें वह क्षेत्रीय शांति चाहता है। इस लेख के अनुसार, चीन की इस रणनीति का उद्देश्य भारत जैसी मजबूत पार्टी को पहले ही गंभीर चेतावनी देना था, ताकि वह गंभीर सैन्य कार्रवाई करने से बच जाए। इस नीति के तहत, पाकिस्तान को व्यावहारिक रूप से लाभ पहुंचाया गया, क्योंकि वह एक कमजोर देश है। दूसरे शब्दों में, पाकिस्तान को कमजोर पक्ष बताकर चीन उस आतंकवाद का समर्थन कर रहा है, जिसके खिलाफ भारत लड़ रहा है। यानी अगर कोई देश आतंकवाद फैलाता है और कमजोर है तो क्या उसकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए?

लेकिन शांति की बात करने वाले चीनी विशेषज्ञों ने इस बीच एक विवादास्पद दावा किया है कि 2020 से चीनी सैनिक भारतीय नियंत्रित कश्मीर के पास तैनात हैं। और उनकी उपस्थिति दक्षिण एशिया में शांति की अंतिम गारंटी बन गई है। यह काफी सनसनीखेज खुलासा है कि चीनी सैनिक पीओके में मौजूद हैं। यानी भारत की सीमा के पास चीनी सैनिकों की मौजूदगी एक बहुत बड़े खतरे को दर्शाती है। यह खुलासा भारत की संप्रभुता और सामरिक स्वायत्तता को चुनौती देता है। यह सिर्फ सैन्य तैनाती नहीं है, बल्कि बीजिंग की ओर से एक धमकी भी है, जिसमें वह यह कहना चाह रहा है कि अगर भारत पीओके को हासिल करने के लिए सैन्य अभियान शुरू करता है, तो उसे कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले चीन की मौजूदगी को ध्यान में रखना होगा। यानी चीन युद्ध की धमकी देकर पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर रहा है।

## सेना बोली- हमारी कस्टडी में कोई भारतीय सैनिक नहीं-कहा- ये मीडिया का प्रोपेगैंडा

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने पुष्टि की कि हालिया सैन्य झड़पों के बाद पाकिस्तान सेना की हिरासत में कोई भी भारतीय पायलट नहीं है। यह सब सोशल मीडिया की अफवाहें हैं, फेक न्यूज और प्रोपगेंडा का हिस्सा हैं जो कई सोर्स से फैलाया गया है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तानी सेना के ऑपरेशन बनयान-उन-मर्सूस की सफलता पर देशभर में यौम-ए-तशक्कुर मनाया गया। यौम-ए-तशक्कुर एक उर्दू शब्द है, जिसका अर्थ होता शुक्रिया का दिन। पीएम शहबाज ने शनिवार को भारतीय आक्रमण का करारा जवाब देने के लिए पूरे देश में यौम-ए-तशक्कुर मनाने की घोषणा की थी। दोनों देशों में सीजफायर और इससे पहले जारी टकराव के बारे में विस्तार से जानने के लिए नीचे दिए ब्लॉग से गुजर जाइए...

### पूर्व विदेश सचिव बोले- भारत पीछे हटने पर मजबूर हुआ

पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव ऐजाज चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान के कड़ी जवाबी कार्रवाई ने भारत को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। भारत से कश्मीर विवाद को हल करने के लिए बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच लंबे वक्त से चले आ रहे तनाव को हल करने के लिए यह बातचीत जरूरी है। ऐजाज ने कहा कि तनाव बढ़ाने के बजाए बातचीत ही आगे बढ़ने का एक रास्ता है। अगर भारत बातचीत के लिए बैठता है, तो इससे उन्हें भी फायदा होगा।

## मिल्वौकी में मदर्स डे पर अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, चार की मौत; खिड़कियों से निकाले गए लोग

**मिल्वौकी, एजेंसी।** मिल्वौकी में मदर्स डे पर एक अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आग कई मंजिलों तक फैल गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। आग इतनी विकराल थी अग्निशमन दल ने लोगों को खिड़कियों से निकाला। मिल्वौकी अग्निशमन प्रमुख आरोन लिप्स्की ने बताया कि आग लगने के कारण 85 फ्लैट वाली इमारत पूरी तरह से बर्बाद हो गई। यहां से 200 लोगों को दूसरे स्थान पर जाने को मजबूर होना पड़ा। अग्निशमन दल को कॉल पर बताया गया कि लोग चार मंजिला इमारत में फंस गए हैं और बचने के लिए दूसरी मंजिल से कूद रहे हैं। लिप्स्की ने कहा कि सबसे पहले पहुंचने वाले अग्निशमन दल भीषण लपटों के सामने फेल हो गए। इसके बाद प्लेटफार्म पर खड़ी अग्निशमन गाड़ियों ने खिड़कियों से लोगों को बचाया, जबकि अन्य अग्निशमन कर्मी अंदर गए। उन्हें कुछ लोगों को बाहर निकालने के लिए हाथों और घुटनों के बल रेंगना पड़ा। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर करीब 30 लोगों को बचाया गया। आग लगने का कारण पता नहीं लग सका है। जल्द ही इसका पता लगा लिया जाएगा। लिप्स्की ने बताया कि 1968 में निर्मित इस भवन का निर्माण उस कानून से पहले हुआ था जिसके अनुसार इसमें स्प्रिंकलर प्रणाली लगाना अनिवार्य था।

# जेलेंस्की को रूस से युद्धविराम की उम्मीद, बोले-'मैं तुर्किये में पुतिन का इंतजार करूंगा'

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें सोमवार से रूस के साथ पूर्ण और अस्थायी युद्धविराम की उम्मीद है और वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ''व्यक्तिगत तौर पर'' बातचीत करने के लिए तुर्किये जाएंगे। उनका यह बयान तुर्किये में 15 मई को सीधी बातचीत करने के रूस के हालिया प्रस्ताव को स्वीकारने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर दबाव बनाए जाने के बाद आया है।

यूक्रेन ने रूस से मांग की थी कि वह वार्ता से पहले सोमवार से 30 दिवसीय युद्धविराम को बिना शर्त स्वीकार करे। इससे पहले, रविवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के सामने 15 मई को तुर्किये के इस्तांबुल शहर में बिना किसी पूर्व शर्त के प्रत्यक्ष रूप से शांति वार्ता करने की पेशकश की, जिसका जेलेंस्की ने स्वागत किया। हालांकि, जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि रूस को पहले युद्धविराम करना होगा। पुतिन ने कहा कि वार्ताओं का उद्देश्य संघर्ष की मूल जड़ को खत्म करना और दीर्घकालिक व टिकाऊ शांति कायम करने पर पहुंचना होगा। पुतिन ने एक संबोधन में कहा, हम तुरन्त वार्ता शुरू करना चाहेंगे, अगले बृहस्पतिवार, 15 मई को, इस्तांबुल में, जहां पहले वार्ताएं आयोजित की गई थीं और जहां उन्हें बाधित किया गया था। उन्होंने कहा कि बातचीत बिना किसी पूर्व शर्त के होनी चाहिए।

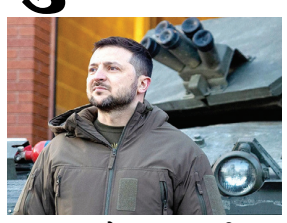

**2019 के बाद पहली बार सीधी बातचीत करेंगे रूस-यूक्रेन के राष्ट्रपति :** पुतिन और जेलेंस्की 2019 में केवल एक बार मिले हैं। युद्ध की शुरुआत में दोनों नेताओं के बीच बातचीत की कोशिश हुई थी मगर ये नाकामयाब रही थी। सितंबर 2022 में यूक्रेन के चार क्षेत्रों को जोड़ने के बाद, जेलेंस्की ने घोषणा की थी कि पुतिन के साथ बातचीत करना बहुत मुश्किल हो गया है।

**यूक्रेन-रूस ने एक दूसरे पर तीन दिवसीय सीजफायर के उल्लंघन का आरोप लगाया :** 29 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के साथ 3 दिन के एक तरफा सीजफायर का ऐलान किया था। यह सीजफायर 8 मई से लागू हुआ था। इसकी शुरुआत 7-8 मई की रात से हुई और 10-11 मई को आधी रात यह सीजफायर खत्म हो गया। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर युद्ध विराम का 14,000 से अधिक बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यूक्रेन ने भी रूस पर स्वयं के युद्ध विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यूक्रेन ने इसे एक तमाशा बताया है। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने 11 मई की रात को 108 ड्रोन और सिम्युलेटर ड्रोन लॉन्च किए। जिसमें से 60 ड्रोन को यूक्रेन ने मार गिराया।

**यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को सैन्य समर्थन देने की बात कही :** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने 10 मई को कीव में जेलेंस्की से मुलाकात की थी। साथ ही सोमवार से युद्ध विराम के लिए आह्वान किया था। इस योजना को यूरोपीय संघ और ट्रम्प दोनों से समर्थन मिला है। यूक्रेन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के नेताओं ने रूसी राष्ट्रपति को धमकी दी थी कि अगर वे सीजफायर पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो बाकी देश यूक्रेन को सैन्य समर्थन देंगे।

# पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, दो पुलिसकर्मियों की मौत

**पेशावर / इस्लामाबाद, एजेंसी।** भारत के साथ चार दिन के संघर्ष के बाद नतमस्तक हुए पाकिस्तान को अपने घर में भी मात मिल रहा है। बता दें कि, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में रविवार रात एक आत्मघाती हमले में दो पुलिसकर्मियों, जिनमें एक सब-इंस्पेक्टर शामिल है, की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मामले में एसएसपी मसूद बंगश ने बताया कि यह हमला चमकनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रिंग रोड पर मौजूद पशु बाजार के पास पुलिस की मोबाइल वैन को निशाना बनाकर किया गया। जिसमें आत्मघाती हमलावर ने खुद को पुलिस वाहन के पास उड़ा लिया।

**सीएम अली अमीन ने की हमले की निंदा :** वहीं मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही हमले में मारे गए पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा करने वालों पर हमला कायराना हरकत है, पुलिस का हौसला ऐसे हमलों से नहीं टूटेगा।

**भारत से पाकिस्तान ने मुंह की खाई :** वहीं पाकिस्तान ने स्वीकार करते हुए ये कहा है कि भारत से साथ संघर्ष में उसके एक विमान को नुकसान पहुंचा है। हालांकि पाकिस्तान ने विमान के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति जताई।

**पाकिस्तान की हिरासत में नहीं कोई भारतीय पायलट :** वायुसेना और नौसेना के अधिकारियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि ब्रीफिंग का उद्देश्य 'ऑपरेशन बनयान-उम-मर्सूस' के संचालन और समापन के बारे में जानकारी देना था। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान के 'केवल एक विमान' को 'मामूली क्षति' हुई है। वहीं एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कोई भी भारतीय पायलट पाकिस्तान की हिरासत में नहीं है और ऐसी सभी रिपोर्ट 'फर्जी सोशल मीडिया रिपोर्ट' पर आधारित हैं।

## मालदीव ने 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए भारत का जताया आभार, अब्दुल्ला खलील बोले- गहरी दोस्ती का प्रतीक

**माले, एजेंसी।** मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील ने 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मदद के लिए भारत सरकार और विदेश मंत्री एस. जयशंकर का आभार जताया। उन्होंने मालदीव और भारत के बीच गहरी दोस्ती का जिक्र करते हुए कहा कि यह सहायता हमारी आर्थिक मजबूती में सहयोग देगी।

मालदीव के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्ला खलील ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और भारत सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मालदीव को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल को रोलओवर करके महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने आगे कहा, यह समय पर दी गई सहायता मालदीव और भारत के बीच गहरी दोस्ती को दर्शाती है और आर्थिक मजबूती के लिए सरकार के वित्तीय सुधारों को लागू करने के प्रयासों में सहयोग देगी।

मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने बीते साल सितंबर में बताया था कि भारत ने मालदीव सरकार के अनुरोध पर 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल को एक और साल के लिए बढ़ाकर बजटीय सहायता दी है। बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू बीते साल अक्टूबर में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर पांच दिवसीय भारत यात्रा पर आए थे। नवंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने

के बाद यह उनकी पहली यात्रा थी। मालदीव के राष्ट्रपति ने भारत की वित्तीय सहायता के लिए आभार जताया था। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा था, यात्रा का एक महत्वपूर्ण परिणाम व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए विजन को अपनाना था, जो विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों का मार्गदर्शन करेगा। दोनों देशों ने वर्चुअल उद्घाटन भी किया और समझौतों का आदान-प्रदान किया।

बयान में कहा गया था, राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत की वित्तीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, जिसमें इस वर्ष मई और सितंबर में टी-बिलों को मालदीव के लिए बिना ब्याज के एक अतिरिक्त वर्ष के लिए आगे बढ़ाना और द्विपक्षीय मुद्रा स्वैप समझौते के तहत 30 अरब रुपये से 400 मिलियन डॉलर तक का अतिरिक्त समर्थन शामिल है। उन्होंने भारत को उसके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

# ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ताकत और आत्मविश्वास दिखी, अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ ने की तारीफ

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के मशहूर विदेश नीति विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय नेतृत्व ने मजबूती, आत्मविश्वास और ताकत के साथ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो आतंकवादी हमला हुआ, वह पहले से अलग और बेहद खौफनाक था। इसमें 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई, जिनमें से अधिकतर हिंदू थे। उन्होंने कहा, इस हमले का भारत पर बहुत गहरा और दर्दनाक असर पड़ा, जो पहले की घटनाओं में नहीं देखा गया था। यही वजह रही कि भारत सरकार और जनता दोनों ने इस बार मजबूत और करारा जवाब देने की मांग की।

**1971 के युद्ध के बाद सबसे तेज हवाई हमला :** उन्होंने बताया कि भारत की तरफ से पाकिस्तान में की गई हवाई हमले इतने जबरदस्त थे, जितने 1971 के युद्ध के

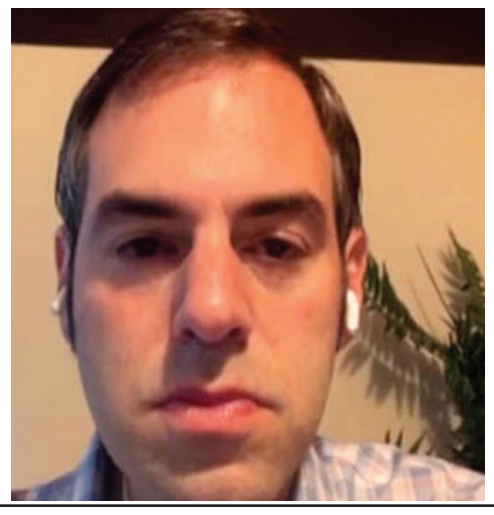

बाद कभी नहीं देखे गए। कुगेलमैन ने कहा, यह एक बड़ा फर्क है और यही कारण है कि वॉशिंगटन, लंदन, यूरोपीय यूनियन और खाड़ी देशों की राजधानियों में भी इस संकट को लेकर काफी चिंता थी। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व की तुलना करते हुए कहा कि भारत की मोदी सरकार ने 2016, 2019 और अब इस बार भी एक जैसी रणनीति अपनाई है - यानी तुरंत और सख्ती से पलटवार करना, ताकत और आत्मविश्वास दिखाना।

**क्या है ऑपरेशन सिंदूर? :** ऑपरेशन सिंदूर 7 मई को शुरू किया गया था, जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंक के ठिकानों पर जोरदार हमला किया। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना के तीनों अंग- थलसेना, वायुसेना और नौसेना - ने मिलकर कार्रवाई की।

रविवार को दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन के नतीजों की जानकारी दी। एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया और पाकिस्तान के 11 एयरबेस तबाह कर दिए गए। उन्होंने कहा, हमने अपने लक्ष्य पूरे किए हैं और यह बात अब दुनिया के सामने है। उन्होंने कहा कि भारत के पास पाकिस्तान के हर ठिकाने को निशाना बनाने की पूरी ताकत है और हमने यह साबित कर दिया है।

**पाकिस्तान को दी गई सख्त चेतावनी :** वहीं प्रेस ब्रिफिंग के दौरान वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने पाकिस्तान को खुली चेतावनी देते हुए कहा, इस बार अगर पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो उसे अच्छे से पता है कि भारत क्या करने वाला है। बस इतना ही कहना काफी है। भारतीय सेना ने इस पूरे ऑपरेशन को सावधानी और रणनीति के साथ अंजाम दिया ताकि आम नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। समुद्र, जमीन और आसमान तीनों मोर्चों पर भारत ने पाकिस्तान की सैन्य ताकत को करारा झटका दिया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# युवक को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली पूर्व पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

## 3 वीडियो के आधार पर कार्रवाई की गई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

व्यक्ति को रिश्तों में धोखा या विश्वासघात मिलता है, तो वह आत्महत्या जैसा चरम कदम उठा सकता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां मोटा वराछा के अब्रामा रोड पर रहने वाले और मूल रूप से राजकोट के रहने वाले 30 वर्षीय युवक की आत्महत्या के मामले में उत्राण पुलिस ने कार्रवाई की है।

युवक की सुसाइड नोट और उसके द्वारा बनाए गए तीन वीडियो के आधार पर पुलिस ने उसकी पूर्व पत्नी शीतल, उसके प्रेमी और उनके 10 पुरुष और महिला मित्रों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। इनमें से शीतल और उसके प्रेमी को नवसारी की एक होटल से गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य 10 आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

युवक की आत्महत्या के बाद जब अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हुई, तो परिजनों ने उसकी मोपेड की डिक्की खोली, जिसमें से युवक का मोबाइल फोन और एक सुसाइड नोट मिला। इसके बाद परिजनों को पता चला कि उसकी पूर्व पत्नी, उसका प्रेमी और उनके साथ जुड़े करीब 12 लोग उसे मारपीट कर लगातार परेशान कर रहे थे। इसी मानसिक उत्पीड़न से तंग आकर युवक ने आत्महत्या जैसा अंतिम कदम उठाया।

मूल रूप से राजकोट के गोंडल में आईटीआई के पास साटोडिया सोसाइटी के निवासी और वर्तमान में सूरत के मोटा वराछा, अब्रामा रोड, वास्तु सर्कल स्थित पंचतत्व रेसिडेंसी में रहने वाले 30 वर्षीय जयदीप मसुखभाई साटोडिया घर से ऑनलाइन कुर्ती का कारोबार करते थे। जयदीप ने नर्मदा जिले के सागबारा तालुका के निशाल फलिया गांव, चित्रा फलिया की रहने वाली लालुभाई पी. राठवा की बेटी शीतल से 30 अक्टूबर 2023 को प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद शीतल, जयदीप के परिवार के साथ दो महीने तक रही, लेकिन छोटी-छोटी बातों पर वह जयदीप और उसके परिवार के अन्य सदस्यों से झगड़ने लगती थी। जयदीप को वह बाल पकड़कर मारती और गालियाँ देती थी। जैसे-जैसे झगड़े बढ़े, शीतल ने अपने तरीके से अडाजन में कहीं अकेले रहने का निर्णय लिया। हालांकि, बाद में उसने फिर जयदीप से संपर्क किया और एक साथ रहने का अनुरोध किया। घर आने के बाद वह पूरे दिन घर के बाहर बैठी रहती थी। शीतल यह भी कहती थी कि वह घर के छज्जे से गिरकर खुदकुशी कर लेगी और घर के सभी सदस्यों को अत्याचार और दहेज के झूठे मामलों में फंसा कर परेशान कर देगी। इसके कारण 15 फरवरी 2024 को दोनों ने अलग होने का फैसला किया।

इस बीच, पिछले रात शीतल ने जयदीप को अडाजन बुलाया और अपने प्रेमी सहित 10 महिला-पुरुष दोस्तों के साथ मिलकर उसकी पिटाई की।

जयदीप ने अपनी सुसाइड नोट में लिखा था- "मम्मी-पापा, मुझे माफ कर दो, मैं हार गया हूँ। मेरी जिंदगी बिगाड़ दी और मैंने उसे बहुत मौके दिए, लेकिन उसने मेरे साथ गलत किया। सभी ने उसे नकारा किया फिर भी मैंने उसे मौका दिया और उसने मेरी जिंदगी के साथ खेल खेला। मेरे मरने के पीछे बहुत सारे लोग हैं। प्रणाली, टीना, रूपचिता, मोहसिन, रिचा, निरव, आयान, कंचन, हीना, देवल, यूवी, और बहुत से लोग हैं जिनके नाम मुझे नहीं पता। इन लोगों की वजह से मेरी जिंदगी खराब हो गई और मैंने बहुत कुछ सहन किया। अब मेरे पास हिम्मत नहीं है, ये लोग मुझे मारने की धमकी दे रहे हैं, और मेरे ऊपर झूठे मामले पत्नी से करवाए गए थे। वे मेरे घर आकर मम्मी, पापा और बहन को धमकी देते हैं। अब मेरे पास हिम्मत नहीं है, मुझे मरने तक मजबूर किया गया है, मैं हार चुका हूं।"

## सूरत में RTE (Right to Education) के तहत आवंटित 13,295 सीटों में से 12,688 सीटों पर प्रवेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 100 से अधिक मालेतुजार वालियों के बच्चों का प्रवेश रद्द कर दिया गया है। पुलिस शिकायत की सूचना के बाद, आय सीमा से बाहर के अभिभावकों ने फॉर्म भरने से बचने की कोशिश की।

राइट टू एजुकेशन एक्ट (RTE) के तहत कक्षा 1 में मुफ्त प्रवेश के लिए 13,295 छात्रों को प्रवेश दिया गया था, जिसमें से 95त्न छात्रों को उनकी मनपसंद स्कूलों में प्रवेश मिल गया है और 12,688 छात्रों ने अपना प्रवेश कंफर्म करवा लिया है। जबकि 5% छात्रों का प्रवेश रद्द कर दिया गया है। इस बार जोन्यून अभिभावकों ने ही प्रवेश के लिए फॉर्म भरे, इस बात का समर्थन किया जा रहा है।

RTE के तहत कक्षा 1 में प्रवेश के लिए सूरत शहर की 994 स्कूलों में 15,229 सीटों के लिए कुल 31,470 फॉर्म भरे गए थे, जिनमें से 24,346 फॉर्म मंजूर हुए थे। जब RTE का पहला राउंड शुरू हुआ, तब कुल 13,295 छात्रों को प्रवेश दिया गया था। इस प्रवेश कंफर्म करने की समय सीमा तक 12,688 छात्रों को उनकी मनपसंद स्कूलों में प्रवेश मिल गया और उन्होंने अपना प्रवेश कंफर्म करवा लिया। जबकि 537 छात्रों ने प्रवेश छोड़ दिया है या दस्तावेजों में गलती होने के कारण उनका प्रवेश रद्द कर दिया गया है। इस प्रकार, कुल 13,295 में से 12,688 छात्रों ने प्रवेश कंफर्म किया,

## मानसून से पहले नगर निगम का एक्शन मोड, जर्जर मकानों को गिराने की दी चेतावनी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में मानसून का मौसम नजदीक आ रहा है। इस बीच, सूरत महानगरपालिका द्वारा शहर में स्थित खतरनाक मकानों के खिलाफ कार्रवाई की गति तेज कर दी गई है। नगर निगम ने मानसून के दौरान होने वाली बारिश की वजह से खतरनाक संपत्तियां गिरने या ढहने की स्थिति से बचने के लिए 270 से अधिक संपत्ति मालिकों को आधिकारिक नोटिस जारी किया है।

सूरत के सेंट्रल और उधना ज़ोन में सबसे अधिक खतरनाक संपत्तियाँ हैं। नगर निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन क्षेत्रों में स्थित मकान बहुत पुराने और जर्जर अवस्था में हैं, और रहन-सहन के लिए असुरक्षित माने जाते हैं, इसके बावजूद इनमें अभी भी कुछ परिवार रह रहे हैं। ये संपत्तियाँ मानसून के दौरान बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं।

नगर निगम की इंजीनियरिंग शाखा ने पहले सर्वेक्षण करके शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खतरनाक मकानों की सूची तैयार की थी। इसके आधार पर इन संपत्ति मालिकों को नोटिस भेजकर तत्काल मकान की मरम्मत या नष्ट करने की सलाह दी गई है। नोटिस में यह स्पष्ट किया गया है कि यदि संपत्ति मालिकों द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक कदम नहीं उठाए जाते हैं, तो निगम खुद उस संपत्ति को तोड़ देगा और उसका पूरा खर्च संपत्ति मालिकों से वसूला जाएगा। नगर निगम द्वारा यह कदम जनहित में उठाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में सूरत में मानसून के दौरान खतरनाक मकान गिरने से जान-माल का नुकसान हुआ है। ऐसे हादसों को रोकने के लिए नगर निगम ने अधिक सक्रियता दिखाई है।

### पलसाणा के गंगाधरा गांव में महिला सरपंच का साहसिक कदम

## पंचायत सदस्य की हत्या के बाद पुलिस सुरक्षा के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए दबाव को हटाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के पलसाणा तालुका के गंगाधरा गांव में महिला सरपंच ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। गांव में कुछ समय पहले ग्राम पंचायत सदस्य हसमुखभाई की हत्या हुई थी। यह घटना ट्रैक्टर धीमा चलाने को लेकर हुए सामान्य विवाद से उत्पन्न हुई थी।

राहुल मारू नामक युवक और उसके 10-12 साथियों ने लकड़ी और पाइप जैसे हथियारों के साथ हसमुखभाई और उनके परिवार पर हमला किया था। इस हमले में हसमुखभाई की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में सात से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया था। उसके बाद आरोपियों ने गांव में सार्वजनिक रास्तों और नालों पर अवैध कब्जे कर लिए थे। उन्होंने कब्जा करके गांव की ज़मीन पर गोशाला और गड्ढे बना दिए थे। महिला सरपंच कशिश कुरेशी ने इन अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि भले ही उनकी हत्या हो जाए, लेकिन वह असामाजिक तत्वों के सामने झुकेंगी नहीं।

महिला सरपंच पुलिस सुरक्षा और JCB के साथ स्थल पर पहुंचीं और अवैध कब्जों को हटवाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गांव में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे की अनुमति नहीं दी जाएगी और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

## रत्नकला कारीगर समेत 16 लोगों को 55.53 लाख में धोखा दिया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के छोटे वराछा में गुरुकृपा एंटरप्राइजेज के नाम से एजेंसी खोलकर क्रेडिट कार्ड से पैसे निकालने का वादा करने वाले कमीशन एजेंट ने 16 ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड नंबर और ओ.टी.पी. मांगकर 55.53 लाख रुपये निकाल लिए थे।

शिकायतकर्ता रिश्तेदार के जरिए आरोपी से संपर्क में आए थे प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरथाणा जकातनाका के पास कविता रो-हाउस में रहने वाले और रत्नकला कारीगर के तौर पर काम करने वाले हिरेन जीवराज गोलकिया (उम्र 41) रिश्तेदार के जरिए 2024 में छोटे वराछा सानिध्य कॉम्प्लेक्स में गुरुकृपा एंटरप्राइजेज के अभिषेक सावलिया से संपर्क में आए थे। इस व्यक्ति ने मामूली कमीशन लेकर क्रेडिट कार्ड से पैसे निकालने का दावा किया था, जिससे यह रत्नकला कारीगर ललचाया था।

इस व्यक्ति की बातों पर भरोसा करते हुए हिरेन ने अपने नाम पर अलग-अलग बैंकों के 21 क्रेडिट कार्ड लिए थे। पत्नी के नाम पर चार, भाई और पिता के नाम पर एक-एक कुल 27 क्रेडिट कार्ड लिए थे। इस कमीशन एजेंट के जरिए वे क्रेडिट कार्ड से पैसे निकालते थे और समय पर भुगतान भी कर देते थे। 1 सितंबर को अभिषेक ने फोन करके बताया कि योजना चल रही है और हिरेन से क्रेडिट कार्ड नंबर और ओटीपी ले लिया था।

इस परिवार के 27 क्रेडिट कार्ड से 39.40 लाख रुपये निकाले गए थे। ये पैसे वे भर नहीं रहे थे, जिससे मामला गंभीर हो गया था। जब वे उधारी के लिए दुकान पर पहुंचे, तो वहां अन्य 13 लोग मिले, जिनके साथ भी समान तरीके से ठगी की गई थी। 16 व्यक्तियों के क्रेडिट कार्ड से 55.53 लाख रुपये निकाले गए थे और उनके नाम पर धोखाधड़ी की गई थी। फंसी हुई व्यक्तियां कापोदरा पुलिस थाने पहुंची थीं। पुलिस ने अब ठगी का मामला दर्ज किया है और एक से अधिक क्रेडिट कार्ड निकालने के पीछे का उद्देश्य भी जांचने की प्रक्रिया शुरू की है।

## अधिकारी के छोटे भाई और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले दो अन्य सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कतारगाम में पुरातत्व विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी का मकान उनके भाई ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेच दिया। जमीन दलाल भाई हितेंद्र मोतावाल की गिरफ्तारी हुई है, जबकि अन्य दो आरोपी फरार हो गए हैं।

वडोदरा में पुरातत्व विभाग के सेवानिवृत्त सुपरिंटेंडेंट का कतारगाम स्थित पैतृक मकान उनके छोटे भाई ने 79 लाख रुपये में फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेच दिया, जिससे मामला सिंगणपुर पुलिस तक पहुंचा है। वडोदरा की सेंट्रल गवर्नमेंट सोसायटी में रहने वाले 69 वर्षीय सेवानिवृत्त सुपरिंटेंडेंट रश्मिकांत जमनादास मौतावाला की शिकायत पर पुलिस ने उनके छोटे भाई हितेंद्र मौतावाला (निवासी, विष्णुनगर सोसायटी, सिंगणपुर) और फर्जी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले अरविंद छोटालाल पटेल व उसके भाई मुकेश पटेल (दोनों निवासी, गले मंडी, महीधरपुरा) के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने जमीन दलाल हितेंद्र मौतावाला को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके साथ शामिल दोनों भाई फिलहाल फरार हैं। रश्मिकांत को तब इस सौदे की जानकारी मिली जब उन्होंने प्रॉपर्टी टैक्स का बिल भरवाने की प्रक्रिया शुरू की थी और पता चला कि मकान पहले ही बिक चुका है।

कतारगाम में यह मकान ग्राउंड प्लस दो मंजिल का निर्माण कर बनवाया गया था। इस प्लॉट का विक्रय दस्तावेज रश्मिकांत की मां नर्मदा मौतावाला और आरोपी हितेंद्र के नाम वर्ष 2007 में करवाया गया था। बाद में 2010 में मां का देहांत हो गया।

इस मकान को लेकर रश्मिकांत ने एक-चौथाई हिस्से और बाकी तीन-चौथाई हिस्से पर मालिकाना हक दर्ज करवाया था।

रश्मिकांत के नाम का फर्जी व्यक्ति भी खड़ा किया गया था। रश्मिकांत जब प्रॉपर्टी टैक्स बिल की जांच कराने गए, तो उन्होंने देखा कि उनके नाम की जगह चंदा रमेश चौहान का नाम दर्ज है। जब उन्होंने आगे जांच करवाई तो पता चला कि उनका छोटा भाई मकान को बेच चुका है। इसके बाद रश्मिकांत ने सब-रजिस्ट्रार कार्यालय से दस्तावेजों की कॉपी निकलवाई, जिसमें यह खुलासा हुआ कि उनके छोटे भाई ने उनका हक खत्म करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए थे और गवाह के रूप में अरविंद और मुकेश ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। इतना ही नहीं, रश्मिकांत के नाम पर एक फर्जी व्यक्ति को भी खड़ा किया गया था।

## सूरत नगर निगम के रांदेर ज़ोन में पालनपुर पटिया क्षेत्र से ठेले-गल्लों का अतिक्रमण हटाया गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के रांदेर ज़ोन में पालनपुर पटिया क्षेत्र के मशाल सर्कल के आसपास ठेले-गल्ले और अस्थायी संरचनाओं में खाद्य पदार्थों की बिक्री की जा रही थी। इसके अलावा रामनगर से हाउसिंग रोड पर अवैध सब्जी बाजार भी भर गया था। आज नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की, लेकिन शुरुआत में लोगों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद पुलिस को बुलाना पड़ा। पुलिस की सुरक्षा में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

हालाँकि, नगर निगम ने जिस स्थान से अतिक्रमण हटाया था, वहां के पास ही सड़क पर ईंटों और रेत के ढेर रखे हुए थे, और यहां से रेत और ईंटों की बिक्री की जा रही थी। हालांकि, नगर निगम ने छोटे अतिक्रमण हटाए, लेकिन इन अतिक्रमणों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इसके अलावा, इस सड़क पर रोज़ शाम को सब्ज़ी बाजार का शोर-शराबा भी हो रहा है, जिसके खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके परिणामस्वरूप, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर कई सवाल उठ रहे हैं।

## नौकरी दिलवाने के बहाने 30 लोगों से 84 लाख रुपये की ठगी

### लोगों ने नौकरी पाने के लिए लिया ऋण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक ठगी का मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने पालिका में नौकरी दिलवाने के बहाने 30 लोगों से 84 लाख रुपये की ठगी की है। आरोप है कि ठग ने इन लोगों से वादा किया था कि वह उन्हें पालिका में नौकरी दिलवाएगा, जिसके बदले में उसने पैसे लिए थे। इस धोखाधड़ी के शिकार हुए लोगों ने नौकरी पाने के लिए बैंक से लोन लिया था, लेकिन जब नौकरी नहीं मिली, तो उन्होंने इस मामले की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करवाई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश कर रही है।

## अग्रवाल विद्या विहार ने रचा कीर्तिमान सीबीएसई परीक्षा का शत प्रतिशत परिणाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसू स्थित अग्रवाल विद्या विहार स्कूल ने सीबीएसई की कक्षा बारहवीं एवं दसवीं की परीक्षा में शत प्रतिशत परिणाम हासिल कर एक बात फिर से कीर्तिमान रच दिया। अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि विद्यालय के छात्र प्रेम अग्रवाल ने कॉमर्स में 99त्न अंक एवं छात्रा विश्वा कावड़िया ने ह्यूमेनिटीज़ में 97.8% अंक लाकर पूरे सूरत शहर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

कक्षा 12 में 73 विद्यार्थी और कक्षा 10 में 59 विद्यार्थी ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए। अनेकों छात्रों ने विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट द्वारा इस ऐतिहासिक सफलता पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।